राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अख़बार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

UPHIN/2014/67765
वर्ष : 07 अंक 33 पृष्ठ : 8 मूल्य 2 रुपये
लखनऊ, रविवार 7 फरवरी, 2021

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/hemant4u4life
@hemant4u4life

फिर कैसे निकाले रोडवेज बस में कमी 2
दो साल में भी नहीं पकड़े जा सके 3
लव जेहाद और भाजपा का चुनावी ऐक्शन 4
क्रेडिट कार्ड पर लुभावने ऑफर देकर ठगी 5

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रयासरत है सरकार: योगी

कृषि की लागत कम करते हुए उत्पादन में बढ़ोत्तरी से बढ़ेगी किसानों की आय

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि किसानों की आय बढ़ाने में कृषि की लागत कम करते हुए उत्पादन में बढ़ोत्तरी तथा कृषि विविधीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है, इससे किसानों की आय तेजी से बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद झांसी की एक छात्रा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि गत माह वहां स्ट्रॉबेरी महोत्सव आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड की धरती पर स्ट्रॉबेरी महोत्सव का आयोजन देश व प्रदेश के लिए नया सन्देश है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां राज भवन में तीन दिवसीय प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2021 का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में बुन्देलखण्ड में स्ट्रॉबेरी की सफलतापूर्वक खेती के लिए झांसी की इस छात्रा गुरलीन चावला के प्रयासों की सराहना की थी।

एक अन्य किसान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उसने डेढ़ एकड़ क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की फसल उगाई, जिसमें उसकी लागत छह लाख रुपये आयी, जबकि फसल 40 लाख रुपये में बिकी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार विविधीकरण के माध्यम से उस किसान को 34 लाख रुपसे की आय हुई। उन्होंने कहा कि किसान इस प्रकार के नए प्रयोगों और कृषि विविधीकरण से अपनी आय में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट और ब्लैक राइस उगाने वाले किसानों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि ब्लैक राइस उगाने वाले किसानों को उनकी उपज का मूल्य 700 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। आदित्यनाथ ने राजभवन में इस प्रदर्शनी के आयोजन के लिए राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुये कहा, ''जैविक खेती में अपार सम्भावनाएं

मौजूद हैं। इसे बढ़ावा देना वर्तमान समय की मांग है। जैविक खेती अपनाने से किया जा सकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। किसानों को डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिया जा रहा है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसान बेहद मेहनती हैं, उन्होंने कोरोना काल के दौरान भी मेहनत में कोई कमी नहीं की। किसानों की मेहनत से आज देश और प्रदेश में अनाज का प्रचुर भण्डार मौजूद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'आत्म निर्भर भारत' अभियान में किसान अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान प्रदेश में 119 चीनी मिलों का संचालन किया गया। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों की मेहनत से आज भारत प्रचुर मात्रा में चीनी का निर्यात कर रहा है, इसमें उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों का भी बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के किसानों की आय को दोगुना करने के सपने को पूरा

यूपी की सियासत को भाजपा मुक्त बनाने उतरेगी चाचा-भतीजा की जोड़ी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (पीएसपीएल) के प्रमुख शिवपाल यादव ने कहा है कि उनकी पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार है। ताकि उनकी पार्टी और सपा मिलकर आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हरा सकें। शिवपाल ने कहा, हम गठबंधन बनाने के लिए राज्य के अन्य छोटे दलों से भी संपर्क कर रहे हैं। जिस सरकार ने किसानों के हित के खिलाफ ये काले कृषि कानून बनाए हैं, उन्हें किसी सूरत में चुनाव नहीं जीतने देना चाहिए।

पीएसपीएल प्रमुख शिवपाल यादव ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने राज्य के सभी जिलों में अपना आधार बना लिया है। उन्होंने कहा, हम किसानों के साथ हैं और जरूरत पड़ी तो हम जेल भरो आंदोलन भी करेंगे। ये कानून केवल कॉर्पोरेट घरानों की मदद के लिए बनाए गए हैं, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा लिए गए सभी निर्णय फिर चाहे वो नोटबंदी हो, जीएसटी हो, कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान श्रमिकों का माइग्रेशन हो, ये सब देश और जनता के खिलाफ ही थे।

किसानों की आय को दोगुना करने का वादा किया गया, लेकिन आय में कमी आई है। यदि किसान इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं तो सरकार क्यों उन पर ये कानून थोप रही है? हालांकि, समाजवादी पार्टी ने पीएसपीएल प्रमुख शिवपाल के इन बयानों पर कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन करने को तैयार है। बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कह चुके हैं कि उनकी पार्टी शिवपाल यादव के लिए जसवंतनगर विधानसभा सीट छोड़ देगी।

प्रयागराज में भाजपा सरकार ने निषाद समाज की नावें तोड़कर उनके पेट पर लात मारी: अखिलेश

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर आरोप लगाया है कि प्रयागराज में भाजपा सरकार ने निषाद समाज की नावें तोड़कर उनके पेट पर लात मारी है। भाजपा सरकार तत्काल निषाद समाज से माफ़ी मांगे और रोज़गार के लिए नयी नावें दे। दरअसल पूरा मामला प्रयागराज में यमुनापार इलाके का है। जहां गुरुवार को अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस और बालू खनन मजदूरों में झड़प हुई। इस दौरान कई नावें क्षतिग्रस्त कर दी गईं। वहीं मामले में गुस्साए खनन मजदूरों ने मौके पर पहुंचे निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संजय निषाद और उनके साथ गए नेताओं को भी दौड़ा लिया।

अखिलेश यादव ने ट्वीट में कहा कि यूपी सरकार ने डायल 100 जैसी सुविधाएं निष्क्रिय कर दी हैं व ठेको नीति के तहत अब गरीबों तक को निशाना बनाया जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा राज में कोई भी सुखी नहीं है। किसान अपनी खेती बचाने के लिए जीवन-मरण की लड़ाई लड़ रहे हैं। बहरी सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। क्रूरता की हद यह है कि किसानों की बात सुनने के बजाय उनके रास्ते में लोहे के जाल, कील कांटे और लोहे की दीवारें खड़ी की जा रही है। सरकार और किसान के बीच में यह विभाजन रेखा खींचना देश और लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा जो नए कृषि कानून लाई है, उससे पूरे देश का किसान न केवल चिंतित है अपितु आक्रोशित भी है। भाजपा दमन के जरिए किसानों की आवाज को दबाना-कुचलना चाहती है पर वह न भूले कि इतिहास बताता है कि झूठ और अन्याय की जड़े नहीं होती है, जनाक्रोश के आगे सत्ता की एक नहीं चलती है। किसान कोई बड़ी मांग नहीं कर रहे है. वे केवल तीनों काले कृषि कानूनों की वापसी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानून बनाने की मांग कर रहे है।

सपा शुरू से ही किसानों के साथ है

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रारम्भ से ही किसानों के साथ है. किसान यात्रा, समाजवादी किसान घेरा, चौपाल और किसान ट्रैक्टर यात्रा निकाल कर समाजवादी पार्टी ने किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सरकारी नीतियों का विरोध किया है। समाजवादी पार्टी किसानों की पार्टी होने के नाते हमेशा किसानों के साथ खड़ी रहेगी। समाजवादी पार्टी गांव-गांव में जाकर भाजपा सरकार की अन्यायपूर्ण नीतियों का पर्दाफाश करती रहेगी और जनसंवाद, जनसम्पर्क के माध्यम से किसानों के पक्ष में जनजागरण करेगी। किसानो के साथ समाजवादी पार्टी का संवाद अभियान जारी है।

...तो 30 लाख से अधिक वाहन हो जाएंगे कबाड़

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। राजधानी की सड़कों पर दौड़ रहे वर्षों पुराने वाहन जल्द ही कबाड़ घोषित किए जाएंगे। बजट में स्क्रैप पॉलिसी का ऐलान कर दिया गया है। इसके चलते पुराने वाहन मालिकों में हलचल मची हुई है। इस पॉलिसी में निजी वाहनों में 20 साल और व्यसायिक वाहनों के 15 साल पूरे होने पर उन्हें स्क्रैप पॉलिसी में शामिल किया जाएगा। नवाबों की नगरी लखनऊ में तकरीबन ढाई लाख वाहन निजी क्षेत्रों में हैं। व्यवसायिक वाहनों की संख्या भी तकरीबन एक लाख से ऊपर है। परिवहन विभागीय अधिकारियों के अनुसार यूपी में तीन करोड़ वाहन पंजीकृत है। ऐसे में तकरीबन 30 लाख वाहन स्क्रैप पॉलिसी के जद में आएंगे। बजट में स्क्रैप पॉलिसी लागू करने की मियाद एक अप्रैल 2022 तय की गई है। इसके लागू होने से 15 व 20 साल उम्र पूरी कर चुके वाहनों को कबाड़ घोष्ज्ञित किया जाएगा।

स्क्रैप पॉलिसी

- लखनऊ में 31 जनवरी 2021 तक पंजीकृत वाहनों की संख्या 25 लाख
- 20 वर्ष पुराने दो व चार पहिया निजी वाहनों की संख्या तकरीबन दो लाख 65 हजार

स्क्रैप पॉलिसी के फायदे

- पॉलिसी के तहत वाहन बेचने पर नए वाहनों पर टैक्स में मिलेगी छूट
- पुरानी गाडियों के चलन से होंगी बाहर, प्रदूषण पर लगेगी लगाम
- बड़े पैमाने पर मिलेगा रोजगार

बजट में स्क्रैप पॉलिसी की घोषणा होने से ऑटोमोबाइल सेक्टर में सुधार होगा। नए वाहनों के साथ पुराने वाहन सस्ते हो जाएंगे। प्रदूषण कम होगा।
– धीरज साहू, परिवहन आयुक्त

पुरानी गाडियों को चलन से बाहर हो जाएंगी और नई गाडियां रोड पर आएंगी। स्क्रैप पॉलिसी से नई गाडियों की बिक्री बढ़ेंगी। इससे सरकार को राजस्व का फायदा होगा।
– जगदीश गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय परिवहन विकास ट्रस्ट

- पुराने वाहन कबाड़ घोषित होने से सेकेंड हैंड गाडियां और सस्ते में मिलेंगी

विजिलेंस जांच में दोषी पाए गए आईपीएस अधिकारी अभिषेक दीक्षित

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। लखनऊ भ्रष्टाचार के संगीन आरोप में निलंबित चल रहे प्रयागराज के तत्कालीन एसएसपी अभिषेक दीक्षित की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। विजिलेंस जांच में उनको विभागीय अनियमितता बरतने का दोषी पाया गया है। विजिलेंस ने अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि अभिषेक दीक्षित के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही किए जाने की संस्तुति की गई है। वहीं विजिलेंस अभिषेक दीक्षित व फरार चल रहे महोबा के निलंबित एसपी मणिलाल पाटीदार के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति की जांच भी कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टालरेंस की नीति के तहत शासन ने फरार आइपीएस अधिकारी मणिलाल पाटीदार व प्रयागराज

के निलंबित एसएसपी अभिषेक दीक्षित के विरुद्ध सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) से जांच कराए जाने के निर्देश दिए थे। सितंबर 2020 में विजिलेंस ने महोबा व प्रयागराज पुलिस पर लगे भ्रष्टाचार के संगीन आरोपों की खुली जांच शुरू की थी। विजिलेंस ने दोनों ही जिलों में एक-एक एसपी के नेतृत्व में टीमें भेजकर छानबीन शुरू की थी। प्रयागराज में भ्रष्टाचार के अलावा विभागीय अनियमितता की जांच भी चल रही थी, जबकि दिसंबर 2020 में शासन ने दोनों आइपीएस अधिकारियों के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति की विजिलेंस जांच का निर्देश दिया था।

सूत्रों का कहना है कि विभागीय अनियमितता के मामले में अभिषेक दीक्षित तीन बिंदुओं पर दोषी पाए गए हैं। विजिलेंस जांच में उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का ठीक ढंग से अनुपालन न कराने व उनके द्वारा दी गई जांचें सही ढंग से न कराने का दोषी पाया गया। इसके अलावा वह प्रशासनिक आधार पर स्थानान्तरित किए गए स्टेनो को बैकडेट में छुट्टी देने के भी दोषी पाए गए। स्टेनो को उसका स्थानान्तरण रुकवाने की पैरवी का पूरा मौका देने के लिए यह कदम उठाया गया था। इसके अलावा थानेदारों की पोस्टिंग में गड़बड़ी करने की बात भी सामने आई। थानेदारों की पोस्टिंग में लेनदेन का संगीन आरोप लगा था। हालांकि विजिलेंस को इसके साक्ष्य नहीं मिले, लेकिन यह साफ हो गया कि थानेदारों की तैनाती में नियमों की अनदेखी की गई थी। विजिलेंस ने अब दोनों आरोपितों के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति की जांच के कदम बढ़ाने भी शुरू कर दिए हैं। उनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है।

दमन बनाम दोस्ती

1861 का एक्ट और 21वीं सदी की पुलिस

अपेक्षा मित्र पुलिस की, प्रशिक्षण अंग्रेजों के बनाए दमनकारी अधिनियम का

पुलिस की छवि पर शासन से लेकर गांव की चौपाल तक बरसों से चर्चा हो रही है। इस मुद्दे पर अक्सर लम्बे भाषण देने वाले राजनेता और अफसरों ने समाज को पुलिस की दहशत से उबारने के लिए मित्र पुलिस का नारा दे डाला।

संजय त्रिपाठी

नागरिकों के दिलोदिमाग में हमदर्द पुलिस का खाका बनाने की कवायद निरंतर जारी है। लॉकडाउन के दौरान पुलिस के मित्र स्वभाव की खबरें खूब प्रसारित हुईं। समाज ने पुलिस के इस रूप को खूब सराहा लेकिन लॉकडाउन खत्म होते ही पुलिस पुराने ढर्रे पर लौटने लगी और पुलिस उत्पीड़न व रिश्वतखोरी की खबरें फिर से सामने आने लगीं। दरअसल नेता और अफसर मित्र पुलिस का नारा भले ही देते हों लेकिन पुलिस की छवि सुधारने के ठोस प्रयास नहीं करते।

21वीं सदी की पुलिस को 160 साल पहले वर्ष 1851 में क्रांतिकारियों के दमन को ध्यान में रखकर अंग्रेजों द्वारा बनाए गए अधिनियम के तहत सबक पढ़ाया जाता है। चयन, प्रशिक्षण और कार्यशैली में पुलिस अधिनियम-1861 के विभिन्न अध्याय ही पुलिसकर्मी को रटाए जाते हैं। देश में संविधान लागू होने के बाद भी नेता और अफसरों ने अंग्रेजों के बनाए पुलिस अधिनियम में बदलाव जरूरी नहीं समझा, क्योंकि यह व्यवस्था उन्हें खूब भाती है। 21वीं सदी के मुताबिक पुलिस अधिनियम बनने से आंतरिक तानाशाही खत्म होने का खतरा जो है। सच यह है कि पुलिसकर्मी खुद को पब्लिक सर्वेंट के रूप में स्वीकार नहीं करते और अफसर के आगे गुलाम जैसे रहते हैं। दरअसल, कड़े प्रशिक्षण के दौरान दमनकारी सबक उनके दिमाग में छाप दिए जाते हैं। ऐसे में मित्र पुलिस या कम्युनिटी पुलिसिंग की बात बेईमानी और सिर्फ मन बहलाने के लिए ही है।

पुलिस एक ऐसा महकमा है जहां अफसर की मर्जी से नियम और योजनाएं बनती हैं। डीजीपी से लेकर कप्तान तक अपनी मर्जी

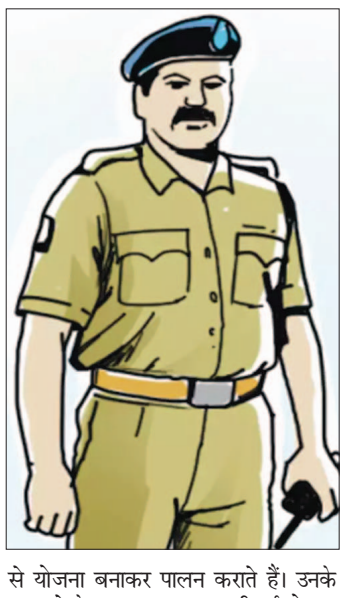

से योजना बनाकर पालन कराते हैं। उनके तबादले के बाद नए अफसर की नई योजना होती है और मातहत उसके अनुपालन में जुट जाते हैं। पुराने अफसर की कई महत्वपूर्ण योजनाएं भुला दी जाती हैं। भले ही वे समाज के लिए हितकारी क्यों न हों। निवर्तमान अधिकारी की योजनाएं जारी रखना वर्तमान अफसर अपनी तौहीन समझते हैं। प्रदेश की राजधानी में विगत दस वर्षों में ऑपरेशन मिलान, ऑपरेशन आलआउट, ऑपरेशन फ्लैश आउट, मुस्कान, शक्ति, ऑपरेशन मिडनाइट जैसे दर्जन भर से ज्यादा अभियान चले लेकिन किसी भी नए अधिकारी ने निवर्तमान की योजना को जारी नहीं रखा। योजना बहुत अच्छी लगी तो उसका नाम बदला गया।

प्रशिक्षण के बिना मित्र पुलिस की आस बेईमानी

अंग्रेजों का बनाया दमनकारी अधिनियम पढ़ाकर मित्र पुलिस या कम्युनिटी पुलिसिंग की उम्मीद करना बेईमानी होगी। पुलिस की चयन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और कार्यशैली में संविधान के मुताबिक बदलाव करके ही पुलिस 21वीं सदी की कसौटी पर खरी उतरेगी।

समाज का भी नजरिया बदलना जरूरी

हम पुलिस से जिस मित्रता या हमदर्दी की उम्मीद करते हैं उसके लिए खुद को भी मानसिक रूप से तैयार करना होगा। हम कचहरी, तहसील, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय में बेधड़क जाते हैं लेकिन थाने के द्वार को पार करके भीतर जाने में हिचक होती है। पुलिसकर्मी से बातचीत में हमारा व्यवहार सामान्य नहीं रहता। हम अतिविनम्र यानी गिड़गिड़ाने लगते हैं या एकदम कड़क हो जाते हैं।

खाकी की इज्जत उछालने में फक्र

पुलिस की छवि सुधारने के लिए सिर्फ दरोगा-सिपाही ही नहीं अफसरों की मानसिकता में भी सुधार जरूरी है। विगत दिनों एक अफसर द्वारा मातहतों को चौराहों पर तलब करके मीटिंग और वहीं पर फटकार लगाकर थानेदार को पैदल ही पुलिस लाइन का रास्ता दिखाने की खबरें सुर्खियों में रहीं। एक अफसर ने दरोगा को सड़क पर दौड़ाया और फिर पुलिस लाइन का रास्ता दिखाया। खास बात ये है कि खाकी पहने एक व्यक्ति रौब से फटकार रहा था और दूसरा पैदल भागा जा रहा था। पैदल हुआ वर्दीधारी कुछ समय पहले तक इलाके का थानेदार या चौकी इंचार्ज था। गुंडे-बदमाश उससे डरते थे और नागरिकों को उससे सुरक्षा का भरोसा था। खाकीधारी को सार्वजनिक रूप से अपमानित करके अफसर ने अंग्रेजों का बनाया पुलिस एक्ट याद दिलाया और नागरिकों को अपनी ताकत बताने की कोशिश की। मातहत को कलम से दंडित करने पर अफसर अपनी शक्ति सार्वजनिक नहीं कर पाता। खाकी की इज्जत भले ही उछली लेकिन अफसर के चेहरे पर फक्र था।

पाठ्यक्रम में हो यातायात

प्रदेश में हर महीने सड़क हादसे से सैकड़ों लोगों की मृत्यु एवं हजारों लोग घायल होते है। चेकिंग के दौरान पुलिस से झड़प और सिग्नल तोड़कर निकलने के मामले रोजाना सामने आते हैं। दरअसल हम 21वीं सदी में पहुंचने के बाद भी सड़क पर चलने का सलीका नहीं सीख पाए। हम लापरवाही करते हैं और पुलिस वसूली करती है। यातायात को पाठ्यक्रम में शामिल करके न सिर्फ हादसों पर अंकुश लगाया जा सकता है, बल्कि इससे वसूली पर अंकुश लगेगा और पुलिस पर लगा एक धब्बा भी साफ होगा।

बचपन से दिमाग में भरा पुलिस का खौफ

कोई बच्चा जब दूध नहीं पीता तो मां कहती है कि पी ले वरना पुलिस पकड़ ले जाएगी। स्कूल नहीं जाता या शरारत करता है तो डराया जाता है कि पुलिस पकड़ ले जाएगी। बचपन में पुलिस का जो डर दिमाग में बैठाया जाता है वो जिंदगी भर बना रहता है। इनमें से जो बच्चे बड़े होकर पुलिस में भर्ती होते हैं उनके दिमाग में छपा होता है कि वो पकड़ने के लिए हैं और सभी उससे डरते हैं। जरूरत है कि बच्चे को 112 डॉयल करना सिखाया जाए। उसे बताएं कि मुसीबत में तुरंत पुलिस को कॉल करें सिर्फ वहीं चौबीसों घंटे और हर जगह उपलब्ध है।

हकीकत हमेशा हकीकत ही रहेगी और आपके नापसंद करने से गायब नहीं होगी।
–पं. जवाहर लाल नेहरू

क्राइम मास्टर नाबालिगों को फंसाकर लाते हैं, फिर कराते मोबाइल चोरी

■ झारखंड से पढ़ाई, रहने और खाने का लालच देकर आते है क्राइम के मास्टर

■ स्पेशल ट्रेनिंग देकर शहर-शहर कराते हैं मोबाइल चोरी की वारदात

❑❑❑ पंकज द्विवेदी

लखनऊ। एक पैरेंट्स के मन में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर सुनहरे सपने होते हैं। वह अपने बच्चों की ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं। इसी का फायदा उठाकर क्राइम के %मास्टर% मजबूर पैरेंट्स को उनके बच्चों के उज्जवल भविष्य का सपना दिखाकर शिकार बनाते हैं। क्राइम के मास्टर अपने नापाक इरादों को पूरा करने के लिए देश के भविष्य को अपराध की दुनिया में धकेलने से जरा सा भी गुरेज नहीं करते हैं। लखनवाइट्स भले ही मासूम को चोरी करते समय पकड़े जाने पर उनकी मासूमियत पर छोड़ देते हैं, लेकिन इनके %आका% का दिल नहीं पसीजता और वह फिर मासूम को दूसरी जगह चोरी का टारगेट दे देते हैं। हम आपको एक ऐसे ही गिरोह के बारे में बताने जा रहे हैं। जो मासूमों को अपराध जगत की एबीसीडी सिखा रहा है। पेश है क्राइम रिव्यू की रिपोट...

पहले पूरी ट्रेनिंग

आशियाना पुलिस ने बीते बुधवार को मोबाइल चोरी के एक ऐसे गिरोह को पकड़ा, जो अपने नापाक इरादों को पूरा करने के लिए मासूम बच्चों का सहारा लेता था। पुलिस को जब पता चला कि गिरोह के सदस्य चोरी के लिए मासूम बच्चों का सहारा लेते हैं तो उनके भी होश उड़ गये। यह गिरोह झारखंड से गरीब परिवार के बच्चों को शहर में फ्री एजुकेशन, खाना और रहने का लालच देकर अपने साथ लाते हैं। वहीं परिवार को इसके बदले में पांच हजार रुपये देते हैं। मजबूर पैरेंट्स अपने बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए गिरोह के सदस्यों के साथ भेज देते हैं. फिर गिरोह का असली काम शुरू होता है। मोबाइल चोरी के लिए बच्चों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाती है। ट्रेंड करने के बाद उन्हें शहर में घूम-घूमकर मोबाइल चोरी के लिए भेजा जाता है। इस दौरान वह कोई गड़बड़ी न करें इसके लिए उनकी निगरानी की जाती है। बच्चों को एक शहर में वारदात के लिए करीब तीन से चार माह रखा जाता है, उनका समय और टारगेट पूरा होने के बाद उन्हे दूसरे शहर शिफ्ट कर दिया जाता है। इसी तरह सिलसिला चलता रहता है।

टारगेट महंगे मोबाइल फोन

मोबाइल चोरी के दौरान गिरोह की नजर महंगे मोबाइल पर होती है ताकि उन्हे उसकी अच्छी रकम मिल सके। गिरोह के सदस्य जिस शहर से मोबाइल को चोरी कराते हैं वहां पर उसे नहीं बेचते हैं। वह मोबाइल को दूसरे स्टेट में जाकर बेचते हैं। गिरोह के सदस्यों का सॉफ्ट टारगेट सीनियर सिटीजन और महिलाओं होती हैं। करीब तीन साल पहले गोमतीनगर पुलिस ने चोरी के मोबाइल के साथ तीन नाबालिग को पकड़ा था, उस दौरान गैंग को ऑपरेट करने वाला नहीं पकड़ा गया था। बताया जा रहा है कि आशियाना पुलिस ने मोबाइल चोरी में जिस शख्स को पकड़ा है वहीं गैंग को ऑपरेट करता है। उस दौरान पता चला था कि नाबालिग बच्चों को झारखंड के कोडरमा जिले से लाया गया था। यहां पर बच्चे गोमतीनगर में किराये के मकान में रहते थे, जहां से पुलिस को 15 लाख कीमत के मोबाइल मिले थे। चोरी के मोबाइल को ज्यादातर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में बेचा जाता है। मोबाइल को बेचने से पहले उनका आईएमआई नंबर बदल दिया जाता है।

इन वारदात का खुलासा

● वर्ष 2018 में गोमतीनगर पुलिस ने चोरी के सौ मोबाइल बरामद किये थे। साथ ही तीन नाबालिग बच्चों को हिरासत में लिया था. मोबाइल की कीमत 15 लाख थी। उस समय गैंग का मास्टरमाइंड सुनील फरार हो गया था

● आशियाना पुलिस ने बुधवार को तीन आरोपियों को दबोचा। उनके पास से चोरी के 118 मोबाइल बरामद हुए थे। वारदात में सात नाबालिग बच्चों की संलिप्तता भी मिली थी, जिन्हे चाइल्ड लाइन भेजा गया।

एक शहर में ज्यादा दिन नहीं

क्राइम के मास्टर बच्चों को एक शहर और एक इलाके में ज्यादा दिन नहीं रोकते हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह इसलिए ऐसा करते हैं ताकि उनका भेद न खुले। वारदात को अंजाम देने के लिए बच्चों की एक टीम बनाई जाती है, जो वारदात के दौरान एक दूसरे का साथ देते हैं। वहीं इनकी निगरानी के लिए भी गिरोह के एक सदस्य को जिम्मेदारी दी जाती है ताकि उनकी मॉनीटरिंग हो सके।

ऐसे दी जाती है ट्रेनिंग

- बच्चों को जेब से मोबाइल कैसे निकालना है
- मोबाइल निकालने के दौरान क्या सावधानी रखनी है
- चोरी को महज तीस सेकंड में कैसे देना है अंजाम
- अगर पीड़ित को मोबाइल निकालने के दौरान पता चल जाए तो क्या करना है
- मोबाइल चोरी के दौरान बच्चों को जेब या पर्स के पास पेपर रखने की ट्रेनिंग दी जाती है
- इससे पीड़ित को यह नहीं पता चल पता है कि उसका मोबाइल चोरी हो गया है
- ट्रेनिंग के दौरान बच्चों को इंग्लिश भी सिखायी जाती है
- ट्रेनिंग के दौरान चोरी का डेमो भी देखा जाता है
- ट्रेंड होने के बाद चोरी के लिए शहर के इलाकों में भेज दिया जाता है

मॉडस ऑपरेंडी

● पहले होता है बच्चों का मेकओवर। ● मोबाइल चोरी को छुपाने के लिए सफेद कागज को यूज किया जाता है ● ऐसे इलाकों को टारगेट किया जाता है जहां सीसीटीवी नहीं होते हैं। ● बच्चों को साफ-सुथरे कपड़े पहनाए जाते हैं। ● फोन चोरी से पहले कई दिनों तक भीड़ भरे बाजारों का सर्वे किया जाता है ● भीड़भाड़ इलाके में लोगों को पूछताछ के नाम पर उलझाया जाता है। ● मोबाइल फोन पर बात करते हुए सीनियर सिटीजन महिला को देखकर पीछा करना।

11 महीने में 7132 गुमशुदा महिला और लड़कियों को पुलिस ने पहुंचाया घर

अच्छा काम

- डायल 112 ने 11 माह में लापता करीब 7 हजार महिला और बेटियों को उनके परिजनों से मिलवाया

❑❑❑ पंकज द्विवेदी

लखनऊ। वैसे तो पुलिस की छवि लोगों के मन में अधिकतर निगेटिव ही रहती है। पुलिस की लापरवाही और वारदात के समय देर से पहुंचने के मामले आये दिन सुनने और देखने को मिलते हैं, लेकिन अब यह तस्वीर धीरे-धीरे बदल रही है। आम पब्लिक में पुलिस विभाग का इकबाल बढ़ रहा है। हम आपको पुलिस विभाग की विंग डायल 112 के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने न केवल लोगों के आंसू पोछे बल्कि परिवार से बिछड़े लोगों को उनके परिवार से मिलाया। किसी के दिल के टुकड़े को उन तक पहुंचाया तो किसी के बुजुर्ग को अपनों की राह दिखाई. एडीजी यूपी 112 असीम अरुण ने बताया कि प्रदेश भर में 11 माह में 7132 महिलाओं और बेटियों को सहायता दी गई है। यह वह हैं जो गुम हो गई थी या फिर अपने घर का रास्ता भटक गईं थीं।

बिछड़ों को मिलवाया अपनों से

- 300 पीआरवी प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की मदद में हैं एक्टिव
- डायल 112 हजारों महिलाओं और बेटियों के लिए बना मददगार
- 11 माह में 7132 महिलाएं और बेटियों घर से हुईं थी लापता
- सूचना मिलते ही अपनों से मिलवाने में लग जाती है डायल 112
- परिवार और राहगीर से सूचना मिलते ही एक्टिव हो जाती है
- 22 गुमशुदगी के मामले आ रहे हैं रोजाना

किस माह में आई कितनी कॉल

- 729 कॉल आई जुलाई में
- 705 कॉल आई अगस्त में
- 787 कॉल आई सितंबर में
- 770 कॉल आई अक्टूबर में
- 523 महिलाओं की मदद नवंबर में की गई
- 1947 महिलाओं की मदद जनवरी से मार्च तक की गई

लॉकडाउन में कम रहा लापता का आंकड़ा

आंकड़ों पर गौर किया जाए तो गुमशुदगी और लापता होने के मामले सबसे कम लॉकडाउन में रहे। इसकी वजह परिवार के सभी सदस्यों का घर पर रहना बताया जा रहा है। जांच में पाया गया है कि ज्यादातर घर के बाहर निकलने के बाद अपने घर का रास्ता भूल जाते हैं। वहीं बच्चे पैरेंट्स की किसी बात पर नाराज होकर घर छोड़ देते हैं।

मददगार बनी पुलिस

केस 1- परिजनों से मिलवाया

श्रावस्ती में भिनगा थाना अंतर्गत 34 वर्षीय महिला अपने घर का रास्ता भूल गई। मामले की जानकारी डायल 112 को हुई। सूचना मिलते ही मौके पर पीआरवी पहुंची। पीआरवी में तैनात महिला कांस्टेबल लक्ष्मी देवी और मोनी शर्मा ने महिला को बांकाटवा गांव स्थित उसके परिजनों से मिलवाया।

केस 2- राहगीर ने दी सूचना

एक 50 वर्षीय महिला जो गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए आई थी. वह रास्ता भटक गई थी। किसी राहगीर ने यूपी 112 को सूचना दी। इस पर मौके पर पहुंची डायल 112 ने महिला को उसकी बहन से मिलवाया।

ायल 112 पब्लिक की सेवा लिए 24 घंटे एक्टिव रहती ह. डायल 112 ने पिछले 11 महीने में घर से गुमशुदा और लापता करीब 7 हजार महिलाओं संग बेटियों को उनके परिजनों से मिलवाया।
– असीम वरुण, एडीजी, डायल 112

डिजिटल और इलेक्ट्रानिक मीडिया फाइनल में

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मयूर शुक्ला की घातक गेंदबाजी के बदौलत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने इंटर मीडिया टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफानल में टाइम्स ऑफ इंडिया को 20 रन से पराजित कर खिताबी जंग में प्रवेश कर लिया। वहीं इसी प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में डिजिटल मीडिया ने कम्बाइंड मीडिया को आठ विकेट से हराकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जायेगा।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर खेले गए इस मुकाबले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 128 रन बनाये। जवाब में टाइम्स ऑफ इंडिया की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 108 रन ही बना सकी। मयूर शुक्ला ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट चटकाये। मयूर को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

इससे पूर्व टाइम्स ऑफ इंडिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की शुरुआत खराब रही और स्टार बल्लेबाज मयूर शुक्ला को पांच रन के स्कोर पर अब्बास रिजवी ने पावेलियन भेज दिया।

हालांकि इसके बाद विशाल ने 28 व राजीव के 20 रन की पारी के बदौलत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने 20 ओवर में किसी तरह से 128 रन बनाने में कामयाब रही।

टाइम्स ऑफ इंडिया की तरफ से अब्बास रिजवी ने दो विकेट चटकाये।जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी टाइम्स ऑफ इंडिया की टीम शुरू से दबाव में रही और उसके चोटी के चार बल्लेबाज केवल 69 रन के स्कोर पर ढेर हो गए।

हालांकि अनीष ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाये लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की तरफ से मयूर शुक्ला ने तीन चटकाये।

चौक स्टेडियम पर खेले गए दूसरे मुकाबले में कम्बाइंड मीडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 115 रन का स्कोर बनाया। इस स्कोर में अभिषेक मिश्रा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 43 रन की अहम पारी खेली। उनके आलावा दीनेश ने 25 रन का योगदान दिया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी डिजिटल मीडिय की टीम ने 12.3 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। डिजिटल मीडिया की तरफ से सत्या प्रकाश ने सबसे ज्यादा 49 रन का योगदान दिया और अपनी टीम की जीत में अहम रोल अदा किया जबकि प्रवीण ने 25 गेंदों पर नाबाद 40 रन की तूफानी पारी खेली । उन्हें इस पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

सड़क सुरक्षा माह के अंतिम दिन 20 फरवरी को सम्मानित किए जाएंगे गुड सेमेरिटन

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। भले आदमी कहां हो, परिवहन विभाग तुम्हारी तलाश कर रहा है। सुनने में अजीब है लेकिन यह हकीकत है। परिवहन विभाग की देखरेख राजधानी में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। एक्सीडेंट रोकने के लिए परिवहन विभाग के अधिकारी जनता को जागरुक करने में जुटे हैं। इसी माह के अंतिम दिन परिवहन विभाग गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) को सम्मानित करेगा। ऐसे व्यक्तियो की तलाश चल रही है। लेकिन अभी तक एक भी गुड सेमेरिटन का नहीं मिला है। विभागीय अधिकारी अपने विभाग के साथ थानों और यातायात पुलिस के रिकार्ड खंगाल कर ऐसे व्यक्तियों की तलाश में जुटे हैं।

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना के दौरान लोग घायलों की मदद करने से कतराते हैं। पुलिस की पूछताछ के डर से लोग आगे नहीं आते हैं। ऐसे में यह प्रयास किए जा रहें कि दुर्घटना होते ही घायलों को तुरंत सहायता मिल सके और उन्हें सही समय में इलाज मिल सके। इसके लिए गुड सेमेरिटन स्कीम लाई गई है। इस योजना के तहत घायलों की मदद करने वाले व्यक्ति से पुलिस जबरदस्ती पूछताछ नहीं करेगी। घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति से हॉस्पिटल के लोग भी किसी तरह की पूछताछ नहीं करेंगे। घायलों की मदद करने वालों को ही गुड सेमेरिटन में शामिल किया गया है। दुर्घटना के दौरान घायलों की मदद के लिए लोग अधिक से अधिक सामने आए, ऐसे में विभाग अब हर साल ऐसे गुड सेमेरिटन को सम्मानित करने की तैयारी भी कर रहा है। ऐसे व्यक्तियों को कैश प्राइज भी दिए जाने का मामला चल रहा है लेकिन अभी तक इस पर अंतिम मुहर नहीं लग सकी है।

जो हमारे साहब, वहीं तुम्हारे....फिर कैसे निकाले रोडवेज बस में कमी

फिटनेस

- आरटीओ प्रवर्तन दस्ते ने जांची बसों की फिटनेस
- 42 बसों की हुई जांच, एक में भी कमी नहीं आई सामने

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। परिवहन विभाग के प्रवर्तन दस्ते ने शुक्रवार को परिवहन निगम की बसों की फिटनेस परखी लेकिन उसे एक भी बस में कमी नहीं दिखाई दी। जबकि अधिकांश बसों की कंडीशन जर्जर है। सडक़ सुरक्षा माह में आज रोडवेज बसों की फिटनेस जांची गई। बताते चले कि परिवहन आयुक्त धीरज साहू के पास ही परिवहन निगम के एमडी का चार्ज है। ऐसे में परिवहन विभाग का प्रवर्तन दस्ता अपने साहब की बसों में कोई कमी नहीं तलाश सका। इसके बाद प्रवर्तन दस्ते के अधिकारियों ने रोडवेज के ड्राइवरों, कंडक्टरों और कर्मचारियों को सडक़ सुरक्षा की शपथ दिला कर काम पूरा कर लिया।

शुरू हुआ जांच का काम

सडक़ सुरक्षा माह के अतर्गत आरटीओ के

प्रवर्तन दस्ते को दो अधिकारी एआरटीओ सिद्धार्थ यादव और पीटीओ आशुतोष उपाध्याय रोडवेज बसों की फिटनेस जांचने आलमबाग बस अड्डे पहुंचे। आलमबाग बस अड्डे पर एआरएम डीके गर्ग और अमरनाथ सहाय भी पहुंच गए। इसके बाद बसों की फिटनेस की जांच का काम शुरू हुआ। एक के बाद एक बसें सामने लाई गई और उनको देख परख कर आगे बढ़ा दिया गया। विभागीय अधिकारियों ने 42 बसों की जांच पूरी किए जाने का दावा किया। जांच के दौरान एक भी बस में किसी तरह की कोई कमी नजर नहीं आई। आती भी कैसे रोडवेज और पविहन विभाग के अधिकारियों में पहले ही सांठ-गांठ हो चुकी थी। विभागीय कर्मचारियों ने बताया कि परिवहन आयुक्त धीरज साहू ही रोडवेज के एमडी हैं। ऐसे में परिवहन विभाग के अधिकारी अपने साहब की बसों में भला कमियां कैसे निकालते। सभी बसों में फ्रंट लाइ ट, बैक लाइट, सीट बेल्ट, इंडिकेटर लाइट, रेट्रो रिफलेक्टिव टेप, बैक मिरर देखे गए। लेकिन किसी में कोई कमी नहीं नजर आई।

जन बसों की जांच की गई वह ोन साल पुरानी थी। किसी भी बस में कोई कमी नजर नहीं आई। हालांकि कई बसों में ड्राइवर बिना मास्क बैठे थे, तो उन्हें मास्क पहनने की हिदायत दी गई।
– सिद्धार्थ यादव, एआरटीओ प्रवर्तन लखनऊ

खटारा बसें नहीं लाई गई सामने

परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार सडक़ सुरक्षा माह में बसों की जांच करने आए अधिकारियों के सामने बेहतर बसों की ही सामने लाया गया। कई बसें ऐसी हैं जिनकी हालत जर्जर हो चुकी है। ऐसी बसों को प्रवर्तन दस्ते के सामने लाया ही नहीं गया। कई बसों में सीटें फटी है तो उनमें लगे वीटीएस खराब पड़े हैं। इन बसों को ठीक करने लिए सामान भी नहीं मिल रहे हैं। कई बार इन्हें ठीक कराए जाने के लिए लिखा भी जा चुका है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

बच के रहना... यातायात नियम तोड़ा तो निरस्त होगा ड्राइविंग लाइसेंस

सख्ती

- दो पहिया वाहन चालक होंगे निशाने पर
- सीट बेल्ट ना पहनने वाले ड्राइवर भी नपेंगे

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। सड़क हादसों को रोकने लिए परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। ऐसे में रोड पर यातायात नियम तोडने वाले चालकों की अब खैर नहीं होगी। परिवहन विभाग ऐसे चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की तैयारी में है। एक बार ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त हो गया तो चालक को ड्राइविंग लाइसेंस के लिए छह महीने इंतजार करना होगा। साथ ही उसे नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए पूरी प्रक्रिया अपनानी होगी। राजधानी के साथ प्रदेश में सड़क हादसों को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने यह योजना तैयार की है।

निरस्त करने के लिए संस्तुति की प्रक्रिया शुरू

विभागीय अधिकारियों के अनुसार यातायात नियम तोडने वाले चालान होने पर जुर्माने की धनराशि दे कर चालक फिर से रोड पर चलना शुरू कर देते है और यातायात नियमों की धज्जियया उड़ाना शुरू कर देते हैं। लेकिन अब जिसने भी यातायात नियम तोड़ा तो उसका लाइसेंस छह महीने के लिए निरस्त कर दिया जाएगा। इसके बाद चालक को नया लाइसेंस बनवाना होगा। परिवहन विभाग ने आवेदकों ने लाइसेंस निरस्त करने के लिए संस्तुति करना शुरू कर दिया है।

बार-बार हुआ चालान तो भी नपेंगे

राजधानी में बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए अब ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। इनमें कई अपराध ऐसे है जिनमें पहली बार में ही लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया की जाएगी। ऐसे लोगों को भी नहीं छोड़ा जाएगा जिनका चालान कई बार हुआ है। आरटीओ प्रवर्तन विदिशा सिंह ने बताया कि लोग लाइसेंस बनवा कर रोड पर चलना शुरू कर देते हैं लेकिन यातायात नियमों को ध्यान में नहीं रखते हैं। ऐसे में लोगों को चालान निरस्त किए जाने की तैयारी है।

ऐसे वाहन चालकों को ड्राइविंग लाइसेंस पहली बार में ही होंगे निरस्त

- ड्राइविंग के दौरान मोबाइल पर बात करने वाले
- शराब पीकर वाहन चलाने वाले
- ओवर स्पीडिंग करने वाले
- रेड सिग्लन तोडने वाले

एचएसआरपी लगवाने के लिए डीलर तलाश रहे वाहन मालिक

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

भटक रहे लोग

- जिन वाहनों के शोरूम और कंपनियां हुई बंद, ऐसे वाहन मालिक एचएसआरपी लिए भटक रहे
- राजधानी में तकरीबन तीन लाख से अधिक हैं ऐसे वाहन मौजूद हैं सडक़ों पर

लखनऊ। जिन वाहनों की कंपनियां बंद हो चुकी है और उनके शोरूम बंद हो चुके हैं, ऐसे वाहन मालिक अपने वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाने के लिए भटक रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन करने पर न तो इनका शोरूम दिखता है और ना ही वाहन की डिटेल मांगी जाती हैं। ऐसे में यह वाहन मालिक एचएसआरपी की जानकारी करने लिए मुख्यालय के अधिकारियों तक पहुंच रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पुरानी कंपनियों को भी ऑनलाइन जोड़ा जा रहा है। इनमें नंबर प्लेट कहां और कैसे लगेगी, इस प्रक्रिया पर काम चल रहा है। जल्द ही ऐसे वाहन मालिकों को सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी।

एक दिन में 500 से अधिक आवेदन

बताते चले कि एक अप्रैल 2019 से पहले से सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके

लिए परिवहन विभाग ने अलग-अलग नंबरों लिए अंतिम तिथि का एलान कर दिया है। इसके बाद एचएसआरपी ना मिलने पर चालान किया जाएगा। एचएसआपी ना मिलने पर 5000 रुपए तक चालान निर्धारित किया गया है। इसके चलते साइबर कैफे से लेकर आरटीओ ऑफिस के बाहर खुली दुकानों में लोग हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए आवेदन कर रहे हैं। राजधानी में रोजाना 500 से अधिक लोग एचएसआरपी के लिए आवेदन कर रहे हैं। जुर्माने से बचने के लिए दो पहिया और चार पहिया वाहन मालिक एचएसआरपी के लिए शोरूमों में सम्पर्ककर रहे हैं।

चेसिस नंबर चेक करे

विभागीय अधिकारियों के एचआरपी के लिए वाहन मालिक को https://www.siam.in/ पर HSRP लिंक पर अपने वाहन निर्माता के उपलब्ध डीलर का चयन करते हुए पिनकोड अंकित करें। प्लेट फिक्स कराने लिए सुविधानुसार अप्वाइंटमेंट की तिथि और समय स्लॉट का चयन करे। चयनित तिथि एवं समय पर चुने गए डीलर से अपने वाहन में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट कराने जा सकते हैं। आवेदन से पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि वाहन पर कोई चालान ना हो। डीलर की यह जिम्मेदार होगी कि वह एचएसआरपी लगवाने से पहले चेसिस नंबर के आधार पर देख ले कि जे नंबर लगा रहे है, वह उसी वाहन का है।

विभागीय अधिकारियों ने यह भी बताया कि अभी ऐसे वाहनों के लिए कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है जिनकी मैन्यूफैक्चरिंग बंद हो चुकी है और ऐसे वाहन अभी भी सडक़ों पर दौड़ रहे हैं। इनमें दो पहिया ही नहीं चार पहिया वाहन भी शामिल हैं। ऐसे में इन वाहनों के आवेदक एचएसआरपी लिए साइबर कैफे से लेकर परिहवन विभाग मुख्यालय तक दौड़ लगा रहे हैं। इन वाहन मालिकों को डर सता रहा है कि कहीं ऐसा ना हो कि एचएसआरपी की तारीख निकल जाए और उनका चालान हो जाए। ऐसे वाहन मालिक न तो आवेदन कर पा रहे हैं, न ही इन्हें कोई अन्य विकल्प मिल पा रहा है।

जो साइट दी गई है, उसी में ऐसी कंपनियों की सूची जोड़ी जा रही है जो बंद हो चुकी है। इसी साइट पर उनको विकल्प मिल जाएगा। इसकी तैयारी की जा रही है। अब तक ऐसी दो कंपनियों को जोड़ा भी जा चुका है। कुछ और कंपनियां बाकी है, उन्हें भी जोड़ा जाएगा। यह जिम्मेदारी साइट पर मौजूद अन्य कंपनियों के शोरूम को दिए जाने की है।
– रामफेर द्विवेदी आरटीओ प्रशासन लखनऊ परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश

जीवन की डोर तो ईश्वर के हाथ में है, इसलिए चिंता की कोई बात हो ही नहीं सकती।
–सरदार पटेल

दो साल बाद भी नहीं पकड़े जा सके माली के हत्यारोपित

सच्ची घटना

मड़ियांव में 15 सितंबर 2018 को हुई थी माली की हत्या, घटना की सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद पुलिस अब तक खाली हाथ

❑❑❑ पंकज द्विवेदी

लखनऊ। मड़ियांव के डुड़ौली रोड स्थित अन्ना मॉर्केट के पास 15 सितंबर 2018 की रात बुजुर्ग माली जगन्नाथ उर्फ रामू (55) की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई थी। वारदात की सीसीटीवी फुटेज मिलने पर पुलिस ने 24 घंटे के अंदर हत्या का खुलासा करने का दावा किया था। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने प्रॉपर्टी विवाद में हत्या किए जाने का दावा करते हुए आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी करने की बात मीडिया व अधिकारियों को बताती रही। धीरे-धीरे घटना के 14 महीने बीत गए पुलिस आज तक केस का खुलासा करने में नाकाम रही है।

यह थी घटना

मूल रूप में तंबौर सीतापुर निवासी जगन्नाथ उर्फ रामू (55) मड़ियांव के प्रीतिनगर में पत्नी सुशीला और दो बेटे विद्यासागर व आकाश समेत तीन बेटियों के साथ किराए के मकान में रहते थे। रामू माली का काम करता था। 15 सितंबर 2018 की रात वह पत्नी और बेटों से झगड़ा करके घर से निकल आया था। अगली सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने रामू को डुड़ौली रोड स्थित अन्ना मॉर्केट के पास बेसुध हालात में पड़ा देखा था। शरीर पर धारदार औजार से वार करने के निशान थे। खून से लथपथ रामू को पुलिस की मदद से ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच में प्रॉपर्टी विवाद आया था सामने

पुलिस की जांच में सामने आया कि रामू शराब पीने का आदि था। इसको लेकर अक्सर उसका घर वालों से विवाद होता रहता था। घटना की रात भी वह नशे में घर आया था। इससे पत्नी व बेटों से उसका झगड़ा हो गया था। इस पर उसने गांव की सारी जमीन किसी और के नाम बैनामा कराने की धमकी देते हुए घर से निकल आया। वह अपने साथ गांव की जमीन के कागजात व बैंक पास बुक भी लेकर आया था। सुबह पुलिस ने मृतक के पास से मिली एक पॉलीथीन में उक्त सभी दस्तावेज भी बरामद किया था। इसके अलावा कॉलोनी के व्यक्ति ने पुलिस को बताया था कि देर रात उसने रामू को एक अज्ञात शख्स के साथ पुलिया के पास खड़े होकर शराब पीते देखा था। इससे पुलिस उस व्यक्ति की भी तलाश करने का प्रयास करती रही।

सीसीटीवी में हमला करते हुए दिखे थे तीन हमलावर

घटना स्थल पर पड़ताल करने के दौरान पुलिस को पास के एक मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर तीन युवक रामू पर धारदार औजार से हमला करते हुए दिखे थे। हमलावरों से बचकर भाग रहा पीड़ित नाली में गिर गया था। सुबह तक नाली में पड़े रहने के कारण उसका काफी खून बह गया था। जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि सीसीटीवी फुटेज में हत्यारोपितों का चेहरा साफ न होने के कारण पुलिस आरोपितों के हुलिए के आधार पर उन्हें पकड़ने का प्रयास शुरू किया था।

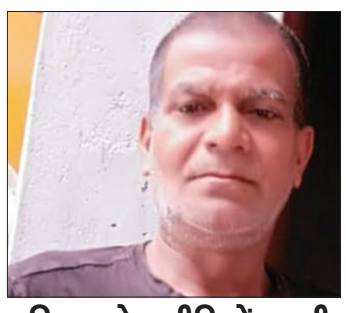

पुलिस को करीबियों पर ही हत्या करने का था शक

घटना की पड़ताल के दौरान पुलिस ने मृतक के करीबियों पर ही हत्या करने का शक जाहिर किया था। इसके लिए पुलिस ने तीन संदिग्धों की कॉल डिटेल निकलवाई। साथ ही सर्विलांस का भी सहारा लिया गया। इतना ही नहीं पुलिस ने तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की थी। सुराग न मिलने पर उन्हें छोड़ना पड़ा। हालांकि पुलिस ने कई दिनों तक उनकी गतिविधियों पर भी नजर रखी।

एफआर लगाकर केस को बंद करने की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक हत्या के खुलासे को लेकर परिवारीजन भी बिल्कुल गंभीर नहीं हैं। इसलिए पुलिस भी ढीली है। पुलिस इस केस में फाइनल रिपोर्ट लगाकर केस को बंद करने की तैयारी शुरू कर दी है।

इस केस के बारे में इंस्पेक्टर मड़ियांव से जानकारी ली जाएगी और खुलासे की पूरी कोशिश की जाएगी।
–राजेश श्रीवास्तव
एडीसीपी उत्तरी

ट्रक व कंटेनर के ड्राइवर को बंधक बनाकर लूट करने वाला अनिल हांडा अरेस्ट

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। इटौंजा क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस की 25 हजार के ईनामी और अंतरराज्यीय गिरोह के सक्रिय बदमाश अनिल हांडा को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने धर दबोचा। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने शातिर बदमाश अनिल हांडा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अनिल हांडा गिरोह के सदस्यों के साथ कंपनी और एजेंसियों के माल को ट्रक कंटेनर से निकालकर लूट लेते था। वह ट्रक ड्राइवर और क्लीनर को बंधक बनाकर फेंक देता था।

बाइक फिसलने से पकड़ा गया बदमाश : सीओ बीकेटी हृदेश कठेरिया ने बताया कि शुक्रवार रात आईजी रेंज की सर्विलांस टीम और इटौंजा पुलिस ने अर्जुनपुर से सीतापुर मार्ग पर सोनिक मोड़ के पास चेकिंग कर रही थी। इस बीच बाइक सवार दो संदिग्ध को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो वह फायरिंग करने लगे। इटौंजा पुलिस और आईजी रेंज की सर्विलांस टीम प्रभारी अमर सिंह व अन्य ने घेराबंदी कर जवाबी फायरिंग की। इस पर बाइक फिसल गई और बदमाश गिर गए. पुलिस ने एक बदमाश को दबोच लिया जबकि उसका साथी भाग निकला।

पकड़े गए बदमाश की पहचान अनिल हांडा निवासी मध्यप्रदेश के देवास थाना टोंकखुर्द टोक्ला के रूप में हुई। वहीं उसका फरार साथी राजकुमार है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है. मौके से बदमाश के पास से एक बाइक, तमंचा, एक खोखा और एक कारतूस बरामद किया गया है. बरामद बाइक चोरी की है।

लॉग रूट पर चलने वाले ट्रक को लूटते थे : इस गिरोह से संबंधित कुछ लोग बीते दिनों महाराष्ट्र में पकड़े गए थे। वह भी हाईवे पर ट्रकों की लूट करते थे। यह लोग कंपनियों के आस पास घूमते हैं। जब वहां से ट्रक और कंटेनर माल लादकर लॉग रूट के लिए निकलते हैं तो यह रेकी करके पीछे लग जाते हैं और मौका पाते ही वारदात को अंजाम दे डालते हैं।

मार्च में लूटा था सिगरेट से भरा ट्रक, एक करोड़ थी कीमत

इंस्पेक्टर इटौंजा अवनीश कुमार ने बताया कि एक मार्च 2020 में सीतापुर रोड पर सिगरेट से भरा ट्रक लूटा था। लूट के दौरान चालक और क्लीनर को बंधक बनाकर हाईवे किनारे फेंक दिया था। इसके बाद ट्रक लूट ले गए थे। ट्रक में करीब एक करोड़ रुपये का माल था। गिरोह के तीन लोग अबतक पकड़े जा चुके हैं। आठ फरार हैं उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

मुठभेड़ में 10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। कृष्णानगर के पंडित खेड़ा में शुक्रवार रात करीब 9 बजे पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इसमें 10 हजार रुपये का इनामी बदमाश लाखन घायल हो गया। उसके दाहिने पैर पर गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक उसका साथी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने उसके पास से बाइक व असलहा बरामद किया है।एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा के मुताबिक पंडित खेड़ा के पास चेकिंग की जा रही थी। इस बीच सरोजनीनगर की तरफ से आ रहे बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देख संदिग्धों ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। घेराबंदी करने पर बाइक पर पीछे बैठा साथीफायरिंग करने लगा। पुलिस टीम ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें दाहिने पैर में गोली लगने से बाइक पर पीछे बैठा युवक घायल होकर गिर पड़ा। एडीसीपी के घायल बदमाश सीतापुर के बामनपुरवा का रहने वाला लाखन के तौर पर हुई है। लखनऊ के इटौंजा थाने के मामले में वह वांछित था। उस पर लखनऊ पुलिस ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दस हजार रुपये का इनाम भी है। उसके खिलाफ लूट और डकैती के डेढ़ दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। एडीसीपी ने बताया कि लाखन के खिलाफ गैंगस्टर का भी मुकदमा दर्ज है। पैर में गोली लगने से घायल लाखन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तस्कर गिरफ्तार, 25 लाख की मार्फीन बरामद

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जानकीपुरम पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 25 लाख रुपये कीमत की मार्फीन बरामद की है।

इंस्पेक्टर जानकीपुरम बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार देर शाम मुखबिर की सूचना पर सेक्टर तीन जानकीपुरम से हरदोई के टड़ियावां निवासी राजू सिंह को 250 ग्राम मार्फीन के साथ पकड़ा गया। इंस्पेक्टर के मुताबिक बरामद मार्फीन की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 25 लाख रुपये है। पकड़े गए आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है, साथ ही आरोपी से पूछताछ में उसके कुछ और सहयोगियों के बारे में जानकारी मिली है, जिन्हें भी पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

दो आईएएस समेत 11 पर जालसाजी व फर्जी दस्तावेज बनाने का केस

आरोप

- महानगर थाने में राज्य नियोजन संस्थान की मूल्यांकन अधिकारी की तहरीर पर हुई कार्यवाही
- आवासीय विद्यालय की रैंकिंग के लिए दस्तावेजों में हेराफेरी व जालसाजी करने का आरोप

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। आवासीय विद्यालयों की रैंकिंग में फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। इस मामले में दो आईएएस सहित 11 अधिकारियों पर जालसाजी व फर्जी दस्तावेज बनाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। राज्य नियोजन संस्थान में मूल्यांकन अधिकारी के पद पर तैनात रही महिला ने महानगर थाने में तहरीर दी। जिस पर कई महीनों तक जांच चली। जब राज्य महिला आयोग ने इस मामले में हस्तक्षेप किया तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रभारी निरीक्षक महानगर यशकांत सिंह के मुताबिक राज्य नियोजन संस्थान में तैनात मूल्यांकन अधिकारी ने तहरीर दी थी। जिसमें पीड़िता ने बताया कि संस्थान में संयुक्त निदेशक डॉ. सतवीर सिंह के अधीन कार्यरत थी। इस दौरान पीड़िता को 2018-19 की प्रदेश के आवासीय विद्यालयों की रैंकिंग करने का आदेश दिया गया। काम शुरू हुआ तो सतवीर सिंह ने रैंकिंग में हेरा-फेरी करने के लिए कहा। जब इसके लिए लिखित आदेश की मांग की तो सतवीर सिंह ने मना कर दिया। इसकेबाद काम को लेकर दबाव बनाने लगे।

पीड़िता ने इसी बीच अपना काम पूरा करने के बाद फाइल को तत्कालीन निदेशक राम केवल को भेज दी। फाइल पर निदेशक ने वार्ता करने की बात लिखकर वापस कर दिया। पीड़िता को जब निदेशक के पास वार्ता केलिए जाना था तो सतवीर सिंह ने मना कर दिया। साथ ही मामले को वापस लेने के लिए कहा। पीड़िता के मुताबिक वह निदेशक से बातचीत करने के दौरान मामले की जानकारी दी। इस पर विभागीय जांच के लिए टीम गठित करने की बात कही। जांच कमेटी ने दोनों पक्षों को सुने बिना ही मामले को दबा दिया। कुछ दिन बाद पीड़िता को पत्र आया कि उसके खिलाफ रिटायर डॉ. थम्मन सिंह व वीपी गुप्ता ने शिकायत की। जब शिकायती पत्र की कापी मांगी तो नहीं दी गई। इसके बाद से लगातार वह संबंधित विभागों को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी। लेकिन अधिकारियों के दबाव में मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की जा रही थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच में डॉ. सतवीर सिंह, डॉ. संतराम, दिनेश कुमार, डॉ. राजेंद्र कुमार यादव, अंकित कुमार अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. दिव्या सरीन मेहरोत्रा, उमेश कुमार, डॉ. गोविंद बाबू और वर्तिका श्रीवास्तव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

शारीरिक शोषण के लिए बना रहे थे दबाव

पीड़िता का आरोप है कि डॉ. सतवीर सिंह उसका शारीरिक शोषण करना चाहते थे। विरोध करने पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि सतवीर सिंह पीड़िता केकामों में हमेशा गलतियां निकालते थे। उसे धमकी देते थे। अपने दबाव में रखने के लिए रैंकिंग के मामले को समाज कल्याण विभाग की तरफ से करने को कहा गया। बिना किसी आदेश के 14 मार्च को रैंकिंग की सूची बनाने को कहा गया। लिखित आदेश मांगने पर साफ मना कर दिया। इसकी शिकायत की गई तो जांच कमेटी का गठन किया गया। कमेटी ने आरोपियों के ऊंचे रसूख होने के कारण जांच को दबा दिया। यहीं नहीं रिटायर थम्मन सिंह व वीपी गुप्ता से शिकायत करवा दी।

महिला आयोग से लेकर राज्यपाल को लिखा पत्र

पीड़िता के मुताबिक जब विभाग में कोई मदद नहीं मिली तो पुलिस से सहायत मांगी। वहां भी कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद उसने राज्य महिला आयोग और राज्यपाल से इसकी शिकायत की। जब महिला आयोग ने एसीपी महानगर से जांच कर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच विभागीय लड़ाई है। पुलिस आरोप सही पाये जाने के बाद आगे की कार्यवाही करेगी।

अयोध्या के धन्नीपुर में मस्जिद के लिए आवंटित जमीन मामले में हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

दावा

- पांच एकड़ भूमि पर दो महिलाओं का दावा
- याचियों ने आवंटन व उसके पूर्व की संपूर्ण प्रक्रिया को दी है चुनौती

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

विधि संवाददाता (लखनऊ)। लखनऊ अयोध्या के धन्नीपुर गांव में मस्जिद बनाने के लिए यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित कुल 29 एकड़ जमीन में से पांच एकड़ के विवाद को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दाखिल की गई है। दिल्ली की रानी कपूर पंजाबी व रमा रानी पंजाबी की ओर से ल याचिका दायर की गई है। इस पर आठ फरवरी को सुनवाई संभावित है। याचिका में दोनों महिलाओं ने आवंटित जमीन मे से पांच एकड़ पर अपना हक होने का दावा किया है। साथ ही यह भी कहा है कि उक्त पांच एकड़ की जमीन के संबंध में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के समक्ष एक मुकदमा भी विचाराधीन है।

याचियों के वरिष्ठ अधिवक्ता एचजीएस के मुताबिक याचिका में कहा गया कि बंटवारे के समय उनके माता-पिता पाकिस्तान के पंजाब से आए थे। वे फैजाबाद (अब अयोध्या) जनपद में ही बस गए। बाद में उन्हें नजूल विभाग में ऑक्शनिस्ट के पद पर नौकरी भी मिली। उनके पिता ज्ञान चंद्र पंजाबी को 1,560 रुपये में पांच साल के लिए ग्राम धन्नीपुर, परगना मगलसी, तहसील सोहावल, जनपद फैजाबाद में लगभग 28 एकड़ जमीन का पट्टा दिया गया। पांच साल के बाद भी उक्त जमीन याचियों के परिवार के ही उपयोग में रही व याचियों के पिता का नाम आसामी के तौर पर उक्त जमीन से संबंधित राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। हालांकि, वर्ष 1998 में सोहावल एसडीएम द्वारा उनके पिता का नाम उक्त जमीन से संबंधित रिकॉर्ड से हटा दिया गया, जिसके खिलाफ याचियों की माता ने अपर आयुक्त के यहां लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी व उनके पक्ष में फैसला हुआ।

याचियों का कहना है कि अपर आयुक्त के आदेश के बाद भी चकबंदी के दौरान पुनः उक्त जमीन के राजस्व रिकॉर्ड को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। तब चकबंदी अधिकारी के आदेश के विरुद्ध बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के समक्ष मुकदमा दाखिल किया गया, जो अब तक विचाराधीन है। याचियों का कहना है कि मुकदमा अब तक विचाराधीन होने के बावजूद राज्य सरकार द्वारा इसी जमीन में से पांच एकड़ भूमि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित कर दी गई है। याचियों ने इस जमीन के आवंटन व उसके पूर्व की संपूर्ण प्रक्रिया को चुनौती दी है।

गोमती में प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त : नगर निगम, जल निगम व प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से पूछा

गोमती में सीधे सीवेज बहाने से रोकने को क्या किया?

दावा

22 फरवरी से पहले हलफनामे पर तलब की स्टेटस रिपोर्ट

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

विधि संवाददाता (लखनऊ)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी में गोमती नदी में प्रदूषण के मामले में सख्त रुख अख्तियर किया है। कोर्ट ने शहर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट व गोमती में सीधे बहने वाले सीवेज को लेकर राज्य सरकार,

नगर निगम, जल निगम व प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से 22 फरवरी के पहले स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने इन चारों पक्षकारों के वकीलों को हलफनामे पर तीन बिन्दुओं पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी और न्यायामूर्ति मनीष माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नाम से वर्ष 2003 से लंबित एक जनहित याचिका पर दिया। इसमें गोमती को प्रदूषण मुक्त करने का मुद्दा उठाया गया था और समय- समय पर कोर्ट ने आदेश जारी किए थे।

बृहस्पतिवार को कोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार, नगर निगम, जल निगम व यूपी प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड से 22 फरवरी के पहले स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने इन चारों पक्षकारों के वकीलों को रिपोर्ट में यह बताने को कहा है कि कितने नाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़े गए हैं?, क्या अब भी बगैर शोधित सीवेज सीधे गोमती में बहाया जा रहा है? और सीवेज को सीधे गोमती में बहने से रोकने को क्या कदम उठाए गए है? कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 22 फरवरी को नियत की है।

बच्चे की मौत, परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर किया हंगामा

राजाजीपुरम। तालकटोरा में राजाजीपुरम एफ ब्लॉक स्थित निजी अस्पताल में बच्चे का हाइड्रोसील का आपरेशन हुआ था। शनिवार को बच्चे की हालत बिगड़ने पर अस्पताल प्रशासन ने चौक के निजी अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसपर परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। हंगामा की जानकारी मिलते ही तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और बच्चे के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

काकोरी भलिया निवासी रजनीश रावत के पांच वर्षीय बेटा ईशांत को हाइड्रोसील की दिक्कत थी। जिसपर रजनीश ने ईशांत को 4 फरवरी को राजाजीपुरम एफ ब्लॉक स्थित एक निजी अस्पताल में आपरेशन के लिए भर्ती कराया था। ईशांत का 5 फरवरी को हाइड्रोसील का आपरेशन हुआ और शनिवार सुबह ईशांत की हालत बिगड़ गई। जिसपर अस्पताल प्रशासन ने ईशांत को चौक के निजी अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डाक्टरों उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद परिजन ईशांत का शव लेकर राजाजीपुरम पहुंच गए और अस्पताल प्रशासन व डाक्टर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर हंगामा करने लगें। हंगामा की जानकारी होते ही तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और ईशांत का कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक ईशांत के पिता रजनीश ने अस्पताल के डाक्टर पर इलाज के लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर तालकटोरा थाने पर तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

1090 चौराहे से कारोबारी किडनैप, पुलिस ने गोंडा से किया बरामद

गिरफ्तार

- रुपयों के लेन-देन के विवाद में किया कारोबारी का किडनैप
- लोकेशन के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। 1090 चौराहे पर कार सवार बदमाशों ने गुरुवार देर रात एक ट्रांसपोर्टर का किडनैप कर लिया। कार सवार बदमाश असलहे के बल पर उसे अपनी कार में डालकर गोंडा ले गए थे। कारोबारी की कार की सूचना पर पहुंचे गौतमपल्ली पुलिस ने लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम के साथ किनडैपर्स का पीछा किया और चंद घंटों में न केवल कारोबारी को सुरक्षित बरामद कर लिया बल्कि कार सवार बदमाशों को गिरफ्तार भी कर लिया।

जॉपलिंग रोड रोड निवासी रजीउल्लाह गाड़ियां चलवाते हैं. गुरुवार देर रात वह कार से गोमतीनगर जा रहा थे। इस बीच 1090 चौराहे पर कुछ कार सवारों ने ओवरटेक कर उन्हें रोका। रजीउल्लाह के ड्राइवर रिजवान खां ने गाड़ी रोक थी. इस पर कार सवार बदमाश निकले। जबतक वह कुछ समझपाते कार सवारों ने उन्हें उठाकर डरा धमकाकर अपनी गाड़ी में डाल लिया और लेकर फैजाबाद रोड की ओर भाग निकलें। किडनैपर्स के जाने के बाद रजीउल्लाह के ड्राइवर ने पुलिस कंट्रोल रूम में किनैडपिंग की सूचना दी. कारोबारी के किडनैपिंग की सूचना से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। इंस्पेक्टर गौतमपल्ली आलोक कुमार राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ड्राइवर के बयान और तहरीर के आधार पर किडनैपिंग का केस दर्ज किया गया।

किडनैपर्स की लोकेशन के आधार पर पुलिस ने उनका पीछा शुरु किया. पीछा करते हुए पुलिस टीम गोंडा पहुंची। गोंडा के करनैलगंज से पुलिस टीम ने रजीउल्लाह को बरामद कर लिया। पुलिस ने किडनैप करने वाले ननकन तिवारी निवासी दश्या पूर्वा डिहवा कोतवाली देहात जिला गोंडा, सुशील कुमार निवासी नारायनपुर ओली तरबगंज, विजय शंकर निवासी बढ़इन पुरवा माझा तरहर मघईपुर को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लाई और उसके बाद उन्हें जेल भेज दिया। व्यवसायी रजीउल्लाह को उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया।

इंस्पेक्टर गौतमपल्ली आलोक कुमार राय ने बताया कि छानबीन में पता चला कि दोनों पक्षों में रुपयों के लेनदेन का विवाद था। रजीउल्लाह को गाड़ी से संबंधित तीन लाख रुपये ननकन व उसके साथियों को देने थे। पर रुपयों के लिए किसी का अपहरण करना यह कानूनन अपराध है। इस लिए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है. क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।
- गांधी जी

बजट अच्छा है लेकिन क्रांतिकारी नहीं

जैसा मैंने लिखा था कि देश का वह बजट आदर्श बजट होगा, जो देश के सभी 140 करोड़ लोगों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और चिकित्सा की न्यूनतम व्यवस्था तो करे। राष्ट्र को परिवार बना दे। इस कसौटी पर किसी भी बचत का खरा उतरना तभी संभव है, जबकि देश के शीर्ष नेताओं के दिल में ऐसा प्रबल संकल्प हो लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्तमान परिस्थितियों में ऐसा बजट पेश किया है, जिसका छिद्रान्वेषण तो कई आधार पर किया जा सकता है। परंतु यह तो मानना ही पड़ेगा कि इसबार उन्होंने ऐसे कोई प्रावधान नहीं किए हैं, जो हर बजट में कमोबेश किए ही जाते हैं। जैसे आयकर, संपत्ति कर, कोरोना कर तथा अन्य कई छोटे-मोटे कर न उन्होंने बढ़ाए हैं और न ही घटाए हैं। देश के 6-7 करोड़ आयकरदाता यह जरूर सोचते थे कि इसबार टैक्स घटेगा ताकि लोगों के हाथ में खर्च के लिए पैसा बढ़ेगा। यदि चीजों की मांग बढ़ेगी तो उत्पादन भी बढ़ेगा। गनीमत है कि इस बजट में नए टैक्स नहीं थोपे गए हैं।

सरकार इस वर्ष के लगभग 35 लाख करोड़ रु. के खर्च को कैसे जुटाएगी? वह सरकारी ज़मीनों, कारखानों, वित्तीय संगठनों, सरकारी कंपनियों वगैरह को बेचेगी। दो सरकारी बैंक भी जाएंगे। वास्तव में वे ही संगठन बेचे जाएंगे, जो निकम्मे हैं, नुकसानदेह हैं और जिन्हें चलाने में सरकार असमर्थ है। वह दो बैंकों को भी अपनी गिरफ्त से बाहर करेगी। बीमा कंपनियों में वह विदेशी पूंजी को 74 प्रतिशत विनिवेश होने देगी। सरकार यह सब नहीं करती और आम नागरिकों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष टैक्सों की बौछार कर देती तो क्या ठीक होता?

यह ठीक है कि सड़क-निर्माण और रेलवे में वह ज्यादा पूंजी लगाएगी। उससे रोजगार बढ़ेंगे लेकिन देश के साल भर में एक-डेढ़ करोड़ बेरोजगार हुए लोगों का पेट कैसे भरेगा? मनरेगा की प्रति व्यक्ति मजदूरी की राशि में कोई बढ़ोत्तरी नहीं है लेकिन उसका खर्च भी 1.15 लाख करोड़ से घटाकर 73000 करोड़ रु. कर दिया गया है। इसी तरह प्र.मं. आवास योजना का खर्च 40500 करोड़ से 27500 करोड़ रु. और किसान सहायता भी 75000 करोड़ से घटकर अब 65000 करोड़ रु. रह गया है।

अभी शेयर मार्केट जैसी छलांगें भर रहा है, क्या वह लोगों की कंजूसी नहीं बढ़ाएगा ताकि वे अपने खर्च घटाएं और पैसा शेयरों में लगाएं? स्वास्थ्य सेवा के बजट में वृद्धि सराहनीय है लेकिन गांवों और कस्बों में बसे लोगों को कोरोना के बाद इसका कितना लाभ मिलेगा, यह समय ही बताएगा। इस बजट से खेती कितनी बढ़ेगी, यह भी अनुमान का विषय है। कुल मिलाकर बजट अच्छा है लेकिन इसे क्रांतिकारी या ऐतिहासिक या असाधारण कहना ज़रा कठिन है।

कोरोना की महामारी ने जो भी पढ़ाई हो रही थी उसे चौपट कर दिया। लगभग पूरा एक शिक्षा-सत्र अव्यवस्थित हो गया। ऑनलाइन पढ़ाई और परीक्षा ने रही-सही शिक्षा की साख को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है। इंटरनेट की व्यवस्था अभी भी हर जगह नहीं पहुंची है और जहां पहुंची है वहां भी वह बहुत प्रभावी नहीं है। इस माहौल में नई शिक्षा आशा की किरण सरीखी थी। इसलिए सभी उसके संरचनात्मक और व्यावहारिक पक्षों को लेकर गहन चर्चा में लगे हुए थे। सरकार की ओर से भी जो सन्देश और संकेत मिल रहे थे उससे भी लोगों के मन में बड़ी आशाएं बंध रही थी। लग रहा था सरकार शिक्षा में निवेश का मन बना रही है। स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को लेकर वर्त्तमान सरकार ने बार-बार देश का ध्यान आकृष्ट किया। गिरती-पड़ती सतत उपेक्षित रही शिक्षा की दुनिया में जान-सी आने लगी थी। शिक्षा नीति के प्रयोजन और उसके मोटे खाके को लेकर किसी भी तरह अस्पष्टता नहीं थी दिख रही थी। मसलन महामहिम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और शिक्षा मंत्री समेत सभी खुले मन से उसके स्वागत के लिए तत्पर दिख रहे थे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय को शिक्षा मंत्रालय में तबदील करने के साथ लोगों को लग रहा था देश शिक्षा में आमूल-चूल परिवर्तन की देहरी पर पहुँच रहा है और शुभ प्रभात होने वाला है।

गौरतलब है कि पूरे देश के शैक्षिक संस्थानों में शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों को लेकर चर्चा को प्रोत्साहित किया गया। ऐसे में पूरे साल वेबिनारों की झड़ी-सी लग गई। अनेक मसलों पर बहस हो रही थी। बहुत दिनों बाद शिक्षा को लेकर शिक्षा संस्थानों ही नहीं आमजन में भी जागृति दिख रही थी। शिक्षा नीति के क्षेत्र का प्रकट प्रसार-विस्तार अपने भीतर सब कुछ को समाविष्ट कर रहा था। पूर्व प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक की संरचना में प्रस्तावित बदलाव को देख सबको सुखद आश्चर्य हो रहा था कि विद्यार्थी को किस तरह उन्मुक्त भाव से सृजनशीलता के साथ बहु विषयी और बहु विकल्पी अवसर मिल सकेंगे। लगा कि ज्ञान केन्द्रित और भारतभावित शिक्षा की एक ऐसी लचीली व्यवस्था के आने का बिगुल बज चुका है जो सबको विकसित होने का अवसर देगी। आखिर आत्मनिर्भर होने के लिए ज्ञान, कौशल और निपुणता के अलावा कोई दूसरा रास्ता भी तो नहीं हो सकता। इसके लिए अध्यापकों का बेहतर प्रशिक्षण हो यह सोचकर चार वर्ष के बीएड का प्रावधान भी किया गया। विद्यार्थियों को मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा मिलने को भी स्वीकार किया गया जिसे इस बहु भाषा-भाषी देश ने हृदय से स्वीकार किया।

लव जेहाद और भाजपा का चुनावी ऐक्शन

लव जेहाद के खिलाफ हिन्दू संगठनों की सक्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उनका गाँव-गाँव में नेटवर्क है और उससे अधिकांश युवकों को जोड़ने का भी प्रयास भी वे निरंतर करते रहते हैं। इन युवकों को यह ज़िम्मेदारी दी जाती है कि वे स्कूल - कालेजों, साइबर कैफे में पढ़ने-जाने वाली लड़कियों पर ध्यान रखे। अगर कहीं भी कोई हिन्दू लड़की किसी मुसलमान के साथ दिखे, उन्हें सूचित करे और जहां तक संभव हो, पहले चेतावनी स्वरूप उसकी पिटाई करें, जिससे भविष्य में फिर वह ऐसा कदम न उठा सके। ऐसे प्रकरणों में अपने लोगों की मदद भी करते हैं। ऐसे युवकों ने बाकायदा अपना वाट्सएप ग्रुप भी बना रखा है। जैसे ही कहीं भी उनको जरा सा सुरसुरी भी मिलती है, वे आपस मे शेयर कर लेते हैं। ऐसे लड़कों का मानना है कि मुसलमान लड़के छल-कपट से ऐसी लड़कियों को अपने जाल में फँसते हैं और निकाह के नाम पर उनकी इज्जत के साथ खिलवाड़ करते हैं।

प्रोफेसर डॉ. योगेन्द्र यादव

लव जेहाद एक ऐसा सामाजिक मुद्दा है, जिसे लेकर हिन्दू और मुसलमानों को लेकर एक सामाजिक तनाव की निर्मिति स्वतः हो जाती है। दोनों संप्रदाय एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। दुनिया कितनी आधुनिक हो गई हो। लेकिन भारत की सभ्यता और संस्कृति इस प्रकार की है कि यहाँ संप्रदाय की बात तो छोड़िए, एक ही संप्रदाय के लोग गैर जातियों में भी वैवाहिक संबंध नहीं जोड़ना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी और उससे समर्थक संगठन इस बात को जानते हैं। वैसे देखा जाए, तो भारतीय जनता पार्टी और समस्त हिन्दू संगठन पहले ही दिन से इसके खिलाफ रहे हैं और उसके विरुद्ध आवाज भी उठाते रहे हैं। भारतीय जन मानस की इसी प्रवृत्ति के आधार पर उत्तर प्रदेश सहित सभी भारतीय जनता पार्टी सरकारें लव जेहाद के खिलाफ केवल कानून ही नहीं बना रही हैं, बल्कि उसमें इतनी कड़ी सजा का प्रावधान कर रही हैं, कि कोई भी उसका उलंघन न कर सके। हालांकि भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार सीधे ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कारवाई नहीं करती है। लेकिन जब ऐसी घटनाओं पर उसके समर्थक सामाजिक संगठन आवाज उठाते हैं, तो उस पर कड़ी कार्रवाई करती हुई दिखाई देती है। सवाल यह भी उभरता है कि आखिर लव जेहाद और उस बनाए गए सख्त कानून से भारतीय जनता पार्टी को क्या लाभ है। जब से ओवैसी को मुसलमान अपना नेता मानने लगा है, तबसे दोनों संप्रदायों का ध्रुवीकरण और आसान हो गया है।

एक ओर जहां ओवैसी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी हिंदुओं के ध्रुवीकरण में लगी हुई है। उसके इस कार्य में लव जेहाद पर बने कानून से भी फायदा होता नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में जब से लव जेहाद का सख्त कानून अस्तित्व में आया है। तब से जहां भी इस प्रकार की घटनाएँ घटी है, उन पर बहुत ही सख्त कार्रवाई प्रशासन और सरकार की ओर से की गई है।

हिन्दू समाज में यह धारणा है कि जब कोई लड़की गैर संप्रदाय में विवाह कर लेती है, विशेष कर अपना धर्म त्याग कर किसी मुसलमान के साथ निकाह कर लेती है। तो उसके परिवार वाले कहते हैं कि उसका उससे कोई संबंध नहीं है। वह उनके लिए मर चुकी है। इसलिए वह अपनी लड़की को वापस लाने की कल्पना भी नहीं करते हैं। उनका वश नहीं चलता है, नहीं तो वे अपनी खुद की लड़की को मौत के घाट उतार कर जेल चले जाएँ। ऐसा कदम उठाने के बाद इतनी कटुता अपनी खुद की संतान के प्रति उनके मन में बैठ जाती है। लेकिन जैसे ही उत्तर प्रदेश में कहीं भी इस प्रकार की घटना घटती है। हिन्दू संगठन सक्रिय हो जाते हैं। परिवार को सांत्वना देते हैं। लव जेहाद पर बने सख्त कानून के बारे में उसे अवगत कराते हैं। साथ में जाकर एफआईआर दर्ज कराते हैं और इसके बाद पुलिस और हिन्दू संगठन दोनों मिल कर उस लड़की की तलाश करने में जुट जाते हैं। लव जेहाद के खिलाफ काम करने वाले तमाम संगठन इसे अपना एक प्रमुख धर्म मानते हैं और उसे समाप्त करने की दिशा में काफी मुखर और आक्रामक दिखाई पड़ते हैं। अपने किए गए अध्ययन के अनुसार जब से उत्तर प्रदेश में लव जेहाद पर कानून अस्तित्व में आया है। एक महीने में ही करीब 14 मुकदमे दर्ज हुए हैं। इन सभी प्रकरणों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। यह सब हिन्दूवादी संगठनों की सक्रियता और उनके पुलिस और प्रशासन पर दबाव की वजह से यह संभव हो सका है। ऐसा नहीं है कि लव जेहाद के मसले में पहले हिन्दू संगठन सक्रिय नहीं होते थे। पहले भी होते रहे हैं। लेकिन इस कानून के बनने के बाद वे काफी मुखर हो गए हैं। सिर्फ कानूनी कार्रवाई तक ही वे सीमित नहीं रहते हैं। बल्कि उस पर वीडियो और आडियो बना कर वे उन्हें हिन्दू समाज में उसके खिलाफ जागरण भी करते हैं। ऐसे हिंदुओं को भी ऐसी वीडियो भेजते हैं, जो इसकी खिलाफत करते हैं। या जो लोग भारतीय जनता पार्टी के अलावा किसी अन्य दल के समर्थक होते हैं। इस प्रकरण पर अभी तक मेरे दर्जनों लेख प्रकाशित हो चुके हैं। इस कारण जैसे ही देश में कहीं भी लव जेहाद की घटना होती है। वे मुझे भी वीडियो भेज कर अवगत कराते हैं। जिससे मैं उन घटनाओं का अध्ययन कर सकूँ और उस पर कुछ सकारात्मक लिख सकूँ।

लव जेहाद के खिलाफ हिन्दू संगठनों की सक्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उनका गाँव-गाँव में नेटवर्क है और उससे अधिकांश युवकों को जोड़ने का भी प्रयास भी वे निरंतर करते रहते हैं। इन युवकों को यह ज़िम्मेदारी दी जाती है कि वे स्कूल -कालेजों, साइबर कैफे में पढ़ने-जाने वाली लड़कियों पर ध्यान रखे। अगर कहीं भी कोई हिन्दू लड़की किसी मुसलमान के साथ दिखे, उन्हें सूचित करे और जहां तक संभव हो, पहले चेतावनी स्वरूप उसकी पिटाई करें, जिससे भविष्य में फिर वह ऐसा कदम न उठा सके। ऐसे प्रकरणों में अपने लोगों की मदद भी करते हैं। ऐसे युवकों ने बाकायदा अपना वाट्सएप ग्रुप भी बना रखा है। जैसे ही कहीं भी उनको जरा सा सुरसुरी भी मिलती है, वे आपस मे शेयर कर लेते हैं। ऐसे लड़कों का मानना है कि मुसलमान लड़के छल-कपट से ऐसी लड़कियों को अपने जाल में फँसते हैं और निकाह के नाम पर उनकी इज्जत के साथ खिलवाड़ करते हैं।

म्यांमार में इमरजेंसी और भारत की चिंताएं

डॉ. रमेश ठाकुर

अथक प्रयासों के बाद बामुश्किल म्यांमार के हालात सुधरे थे, लेकिन एकबार फिर नाउम्मीदी के भंवर में समा गया। बड़ी मुश्किल से रोहिंग्या मसला और दमनकारी हुकूमत को गच्चा देकर गहरी खाई से बाहर निकला था म्यांमार! वही हुआ जिसका अंदेशा था। अंदेशा एकाध महीनों से था कि वहां कुछ बड़ा होने वाला है और हो भी गया। म्यांमार में करीब 60 वर्ष बाद फिर से आपातकाल लगा है। सेना ने अपनी शक्तियों का बेजा इस्तेमाल कर देश की चुनी सरकार का सैन्य तख्तापलट कर अपनी पहले जैसी हुकूमत स्थापित कर ली। कुछ ही वर्ष पूर्व वहां लोकतांत्रिक व्यवस्था का उदय हुआ था। वह भी पूर्ण रूप से नहीं, धीरे-धीरे लोकतंत्र की जड़ें निकलनी शुरू हुईं थीं। प्रत्येक क्षेत्र जैसे सामाजिक, सैन्य, काउंसलिंग व आम व्यवस्था आदि में भारत सरकार के सहयोग से वहां राजनैतिक व्यवस्था स्थापित होनी आरंभ हुई थी। लेकिन अचानक हुए तख्तापलट ने म्यांमार की लोकतांत्रिक सुधार में झटका लगा दिया है।

इतना तय है अब यहां से निकलना म्यांमार के लिए आसान नहीं होगा। म्यांमार में लोकतांत्रिक सुबह की जब आहट हुई थी, तो उसमें भारत ने अप्रत्यक्ष भूमिका निभाई थी। मुल्क का विकास हो, मानवाधिकारों का पालन हो, सिस्टम अन्य देशों की भांति संचालित हो आदि में हिंदुस्तान ने अहम भूमिका निभाई थी। म्यांमार की इस सैन्य कार्रवाई का समूचे विश्व में निंदा हो रही है और होनी भी चाहिए। दुनिया की ज्यादातर सरकारों एवं अंतरराष्ट्रीय फोरम व विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संगठनों ने तख्तापलट के फैसले को गलत बताया है। सेना का यह निर्णय मुल्क के सीमित लोकतांत्रिक सुधारों को झकझोर देगा। म्यांमार भारत का सबसे भरोसेमंद पड़ोसी मुल्क है। सांस्कृतिक सौहार्द और विरासतें कमोबेश एक जैसी रही हैं। बर्मा से म्यांमार बनने तक के सफर में भारत साथ रहा है।

सवाल उठता है कि म्यांमार में सैन्य तख्तापलट होने के बाद भारत से कैसे रहेंगे रिश्ते? इसको लेकर भारत सरकार का चिंतित होना स्वाभाविक भी है। दरअसल, जिस देश ने दुर्दांत सोच और लाचार सिस्टम को संभालने में इतनी मेहनत की हो और अचानक उसपर पानी फिर जाए तो चिंतित होना बनता भी है। म्यांमार की सेना ने फिलहाल एक वर्ष का आपातकाल लगाकर देश की बागडोर अपने नियंत्रण में ले लिया है। अवधि आगे बढ़ सकती है। प्रत्येक सामान्य अधिकारियों पर अपना कब्ज़ा कर लिया है। अब सेना की इजाज़त के बिना देश में पत्ता भी नहीं हिलेगा। एकाध वर्षों से म्यांमार सियासी रूप से कुछ मजबूत हुआ था और अपनी मौजूदगी विश्व पटल पर दिखाने लगा था। स्टेट काउंसलर आंग सान सू की दूरदर्शिता ने देश को नई दिशा देनी शुरू कर दी थी। साथ ही धीरे-धीरे चीन की नापाक चुंगल से भी आजाद हो रहा था। पर अचानक से आपातकाल का थोपना सुधारों की बहती गंगा को रोकने जैसा है। तख्तापलट के साथ ही सेना ने आंग सान सू की व देश अन्य बड़े नेताओं को कैद कर लिया। इसके अलावा पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों के लोगों पर भी कठोर कर्रवाईयां शुरू हो गई हैं। ये सभी निर्णय निःसंदेह लोकतंत्र के रूप में वर्तमान म्यांमार के लिए काफी झटका साबित होंगे। इससे अबतक बनाई गयी साख को भी बट्टा लगेगा।

म्यांमार ने आपातकाल क्यों लगाया गया, इस थ्योरी को भी समझना जरूरी है। दरअसल, वहां का मौजूदा संविधान अन्य देशों के मुकाबले कुछ अलहदा है। वहां हमेशा सेना का स्वामित्व रहा है। संविधान के अनुच्छेद-417 के तहत सेना को आपातकाल में सत्ता अपने हाथ में लेने की अनुमति हासिल है। हालांकि अंदरूनी रूप से इसमें बदलाव करने की मांगें समय-समय पर उठती रही हैं। स्टेट काउंसलर आंग सान सू की इसको लेकर कई बार अरेस्ट भी हुईं हैं, आंदोलन, धरना-प्रदर्शन भी किए हैं। बावजूद इसके संविधान में संशोधन नहीं किया गया। पाकिस्तान, म्यांमार और कुछ इस्लामिक देशों में संविधान के अनुच्छेद-417 का सेना कभी कभार गलत इस्तेमाल करती हैं। मन मुताबिक कभी भी तख्तापलट करके हुकूमत की बागडोर अपने हाथों ले लेती हैं। दरअसल, म्यांमार संविधान में कैबिनेट के मुख्य मंत्रालय और संसद में एक चौथाई सीट सेना के लिए आरक्षित होती है, जिससे नागरिक सरकार की शक्ति सीमित हो जाती हैं।

आपातकाल ऐसा दंश हैं जो किसी को भी आहत-परेशान कर देता है। इस दंश का भुक्तभोगी भारत भी रहा है। हालात चाहें कितने भी बुरे क्यों न हों, कोशिश यही रहे किसी भी मुल्क में आपातकाल न लगे। आपातकाल लगने से वह देश पुरी दुनिया से अलग हो जाता है। उसकी कनेक्टिविटी जीरो हो जाती है। ठीक वैसे ही जैसे एक मरीज का कोमा में चले जाना। सेना ने तख्तापलट का जो कारण बताया है वह विश्वास करने लायक नहीं है। कोरोना संकट में नाकामी और बीते वर्ष में चुनाव कराने में सरकार के विफल रहने को आपातकाल का मुख्य कारण बताया है। पर दोनों की कारण वाजिब नहीं है। आपातकाल की अवधि वर्ष निर्धारित है।

रूस में पुतिन की मुसीबत

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

क्या कभी कोई कल्पना कर सकता था कि मास्को से व्लादिवस्तोक तक दर्जनों शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आएंगे और 'पुतिन तुम हत्यारे हो', ऐसे नारे लगाएंगे? लेकिन आजकल पूरा रूस जन-प्रदर्शनों से खदबदा रहा है। नर-नारी और बच्चे-बूढ़े भयंकर ठंड की परवाह किए बिना रूस की सड़कों पर डंडे खा रहे हैं और गिरफ्तारियाँ दे रहे हैं।

व्लादिमीर पुतिन के एकछत्र राज्य में यह सब क्यों हो रहा है? यह हो रहा है, एलेक्सेइ नवाल्नी के नेतृत्व में। नवाल्नी कौन है? यह 46 साल का चिर-युवा है, जिसने सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ देशव्यापी अभियान चला रखा है और जिसे अगस्त 2020 में जहर देकर मारने की कोशिश की गई थी। नवाल्नी यों तो 2008 से ही कई सरकारी कंपनियों और नेताओं के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए रूस में प्रसिद्ध हो गए थे लेकिन पिछले दिनों जब एक हवाई यात्रा के दौरान वे अचानक बेहोश हो गए तो उन्हें इलाज के लिए जर्मनी ले जाया गया। जर्मन डॉक्टरों ने सिद्ध किया कि उन्हें जहर दिया गया था। इसी तरह का 'नोविचेक' नामक जहर रूसी जासूस सर्गेई स्कृपाल को भी देकर मारा गया था। यूरोपीय संघ ने नवाल्नी के मामले में कई रूसी संस्थाओं पर प्रतिबंध भी लगा दिए हैं।

वैसे नवाल्नी को कोई प्रभावशाली नेता नहीं माना जाता था लेकिन उसके उग्र राष्ट्रवादी तेवरों और भ्रष्टाचार-विरोध के कारण रूसी नौजवान उसके तरफ आकर्षित होने लगे थे। 2011 के चुनावों में उसका असर भी दिखाई पड़ने लगा। पुतिन की 'यूनाइटेड रशिया' पार्टी को वह 'गुंडों और चोरों का अड्डा' कहने लगा। उसे दो-तीन बार जेल भी हुई लेकिन वह डरा नहीं। अब उसने पुतिन के भ्रष्टाचार पर सीधा आक्रमण शुरू कर दिया है। अब पुतिन की तरह उसे भी सारी दुनिया जानने लगी है।

जर्मनी से इलाज करवाकर लौटने पर उसे दुबारा जेल में डाल दिया गया है। नवाल्नी की रिहाई के लिए हजारों प्रदर्शनकारी गिरफ्तारियां दे रहे हैं। 'ब्लेक सी' पर अरबों रु. से बने महल को पुतिन का बताया जा रहा है। इन आरोपों को पुतिन बराबर रद्द करते आ रहे हैं और कह रहे हैं कि वे रूस में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में कोई कसर नहीं रखेंगे। पश्चिमी राष्ट्र रूस की इस मुसीबत का मजा ले रहे हैं।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)

स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास और आत्मनिर्भर होते भारत का बजट

सियाराम पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यह बजट मिनी बजट से अधिक नहीं होगा लेकिन इस बजट में जिस तरह आत्मनिर्भर भारत की योजना परिलक्षित हुई है, उस भावभूमि की सराहना की जानी चाहिए। शिक्षा क्षेत्र के विकास पर भी बजट में पूरा ध्यान दिया गया है। स्वयंसेवी संगठन, राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र की मदद से 100 नए सैनिक स्कूलों की शुरुआत, लेह में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के निर्माण, आदिवासी क्षेत्रों में 750 एकलव्य मॉडल स्कूलों में सुविधा सुधार, अनुसूचित जाति के 4 करोड़ बच्चों के लिए 6 साल में 35219 करोड़ रुपए खर्च करने, आदिवासी बच्चों के लिए पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप लाने की घोषणा तो शिक्षित भारत-विकसित भारत की परिकल्पना को ही साकार करती है। कोरोना वैक्सीन पर 2021-22 में 35,000 करोड़ खर्च करने और आवश्यकतानुरूप और ज्यादा फंड देने, पोषण पर ध्यान देने, स्वच्छ जलापूर्ति बढ़ाने पर 5 साल में 2.87 लाख करोड़ रुपए खर्च करने तथा शहरी इलाकों के लिए 1.48 लाख करोड़ की लागत से जल जीवन मिशन शुरू करने की घोषणा इस बात का संकेत है कि सरकार की नजरों में किसी क्षेत्र की उपेक्षा नहीं हुई है। कुल मिलाकर बजट पूरी तरह विकास उन्मुख है। जिस तरह शेयर बाजार ने 965 अंक तक उछलकर इसका स्वागत किया है।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र सरकार का बजट पेश कर दिया है। यह बजट इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कोरोना महामारी की त्रासदी के बीच पेश हुआ है। स्वास्थ्य विकास के लिए जरूरी है और अर्थव्यवस्था विकास और स्वास्थ्य दोनों के लिए जरूरी है। निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2021-22 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए देश की जरूरतों का न केवल ध्यान रखा है बल्कि आम आदमी की परेशानियों और उसके समाधान का भी प्रयास किया है। पक्ष-विपक्ष की प्रतिक्रियाओं पर न जाते हुए अगर विचार किया जाए तो यह बजट विकासोन्मुख भी है और रचनात्मक भी। दो माह से लंबे समय से आंदोलित किसानों को एकबारगी सोचने का भी उन्होंने मौका दिया है।

मोदी सरकार ने वर्ष 2014 से लेकर आजतक पेश हुए सभी आम बजट में गांव और किसान की सहूलियतों का ध्यान रखा है। इस बजट में भी निर्मला सीतारमण ने किसानों को विशेष सौगात दी है। पहली तो यह कि कृषि ऋण सीमा को बढ़ाकर 16.5 लाख करोड़ तक कर दिया है। वर्ष 2020-21 में 15 लाख करोड़ रुपये तक कृषि ऋण देने का लक्ष्य था। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन के जरिए किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास सरकार पहले भी कर रही थी और आज भी कर रही है।

ऑपरेशन ग्रीन स्कीम में जल्द खराब होने वाली 22 फसलों को शामिल किए जाने और एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड तक एपीएमसी की भी पहुंच सुनिश्चित करने की उन्होंने बात कही है। इस बजट में कोच्चि, चेन्नई, विशाखापट्टनम, पारादीप और पेटुआघाट जैसे शहरों में पांच बड़े फिशिंग हार्बर और तमिलनाडु में बहुउद्देश्यीय सी-विंड पार्क की स्थापना कर सरकार किसानों को लाभ के एक बड़े माध्यम से जोड़ने का प्रयास सहज ही देखा जा सकता है।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण किसानों को यह बताना हरगिज नहीं भूली कि मोदी सरकार ने किसानों के हित में कितना काम किया है। वर्ष 2013-14 में सरकार ने 64 हजार करोड़ रुपये का धान खरीदा गया था, उसके सापेक्ष 2019-20 में 1.41 लाख करोड़ की धान की खरीद हुई। नए बजट में धान खरीद का यह लक्ष्य बढ़ाकर 1.72 लाख करोड़ कर दिया गया है। इससे 1.54 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे, ऐसी उम्मीद जताई गई है। उन्होंने किसानों से गेहूं की खरीद भी पूर्व सरकार से दोगुना ज्यादा करने की बात कही है। देखा जाए तो यह बजट किसानों और उन्हें गुमराह कर रहे लोगों के लिए आत्मविश्लेषण का भी है। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य को जारी रखने की घोषणा तो की लेकिन साथ ही एमएसपी व्यवस्था में मूलभूत बदलाव और मंडियों को इंटरनेट से जोड़े जाने की बात कहकर प्रधानमंत्री के आधुनिक कृषि के विचारों को ही विस्तार दिया है।

अफोर्डेबल हाउसिंग और किराए पर घर की योजना पर फोकस करने, अफोर्डेबल हाउसिंग में टैक्स छूट को एक और साल के लिए बढाने की घोषणा कर उन्होंने रियल एस्टेट

सेकटर को उत्साह से भरने का भी काम किया है। स्टील पर कस्टम ड्यूटी घटाकर 7.5 फीसदी करने का ऐलान कर उन्होंने सस्ते गृह निर्माण की संभावनाओं को भी बल प्रदान किया है। एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड मैनेजमेंट कंपनी बनाने और बैंकों के एनपीए को देखनी की बात कहकर एक तरह से उन्होंने देश को इस बात का भरोसा भी दिलाया है कि सरकार इन मामलों की सतत निगरानी भी करेगी, न कि मूकदर्शक बनी रहेगी। स्वास्थ्य जिंदगी की सबसे बड़ी नियामत है। इसलिए सीतारमण ने स्वास्थ्य सेक्टर पर विशेष ध्यान रखा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र को सबसे ज्यादा 2.87 लाख करोड़ रुपये का बजट देकर और स्वास्थ्य बजट में 135 प्रतिशत का इजाफा कर उन्होंने देश को यह बताने और जताने का प्रयास किया है कि उनकी सरकार के लिए देश का स्वास्थ्य कितनी अहमियत रखता है। यूमोकोल वैक्सीन का प्रयोग 5 राज्य बढ़ाकर पूरे देश में करने और देश में हर साल हो रही 50 हजार बाल मृत्यु रोकने और कोरोना का टीका अधिक से अधिक लगवाने और इसके लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था उन्होंने देश के स्वास्थ्य के प्रति सरकार की गंभीरता का भी इजहार किया है। 11 राज्यों के सभी जिलों में एकीकृत स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं खोलने और 3382 ब्लॉक स्वास्थ्य इकाइयों की स्थापना और 602 जिलों और 12 केंद्रीय संस्थानों में क्रिटिकल हॉस्पिटल्स ब्लॉक बनाने की घोषणा तो कमोबेश इसी ओर इशारा करती है।

नौकरी पेशा लोगों को टैक्स स्लैब में कोई बदलाव न होने से भले ही निराशा हाथ लगी हो लेकिन 75 साल से अधिक उम्र के लोगों को आयकर रिटर्न न भरने की सुविधा देकर सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा है। यह और बात है कि बुजुर्गों को यह छूट सिर्फ पेंशन पर दी जा रही है, न कि बाकी किसी तरीके से हुई कमाई पर। मौजूदा बजट में बीमा क्षेत्र में 74 फीसदी तक विदेशी निवेश का ऐलान किया गया है, जो पहले सिर्फ 49 प्रतिशत था। निवेशकों के लिए चार्टर बनाने का भी ऐलान किया गया है।

इस साल रेल बजट पर 1.10 लाख करोड़ रुपये खर्च होने हैं, इनमें से पूंजीगत व्यय के लिए 1.07 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बड़ी लाइनों पर चलने वाली सभी ट्रेनों को बिजली से चलाया जाएगा। शहरों में मेट्रो ट्रेन सर्विस और सिटी बस सर्विस को बढ़ाने के प्रावधान बताते हैं कि देश की गति में तेजी आने वाली है। वर्ष 2022 तक ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के शुरू हो जाने की भी उन्होंने बात कही। आत्मनिर्भर भारत को प्रमोट करने के लिए लॉजिस्टिक्स में होने वाले खर्च में कटौती करने की इच्छा जाहिर कर उन्होंने यह साबित करने का भी प्रयास किया है कि जिस तरह कोरोना काल में दुनिया के तमाम देश आर्थिक संकट झेल रहे हैं, भारत भी उनसे अछूता नहीं है। इसलिए उसे कहीं न कहीं अपने हाथ सिकोड़ना तो पड़ेगा ही।

कुछ राजनीतिज्ञ इस बजट को चुनावी बजट भी कह सकते हैं। तमिलनाडु में 3300 किलोमीटर नेशनल हाइवे एक लाख 3 हजार करोड़ की लागत से बनाने की बजट घोषणा की गई है। केरल में 1100 किलोमीटर नेशनल हाइवे 65 हजार करोड़ रुपये में बनेगा। इसी तरह बंगाल में 25 हजार करोड़ की लागत से हाइवे बनेंगे जबकि कोलकाता-सिलीगुड़ी रोड अपग्रेड की जाएगी। असम में जहां 34 हजार करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग का विस्तार किया जाना है, वहीं केरल-मुंबई कन्याकुमारी कॉरिडोर का निर्माण भी होना है। जाहिर सी बात है कि जब सरकार क्षेत्र में काम करेगी तो उसे उसका राजनीतिक लाभ भी होगा। इस युगसत्य को नकारा नहीं जा सकता।

पैसेंजर ट्रेनों में नए एलएचबी कोच जोड़े जाने की बात कर उन्होंने यात्राओं को और अधिक आरामदायक बनाने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विकसित करने के लिए 15700 करोड़ रुपये दिए गए हैं। एमएसएमई में एआई और मशीन लर्निंग पर जोर तो दिया ही है, साथ ही छोटी कंपनियों के लिए शेयरों के जरिए पेडअप कैपिटल सीमा बढ़ाने की भी बात कही है। आत्मनिर्भर पैकेज के तहत 27.1 लाख करोड़ रुपये की घोषणा बताती है कि सरकार जो कह रही है, उसे करने की दिशा में भी प्रतिबद्ध है। निर्मला सीतारमण ने 2020 के बजट में घोषणा की थी कि इंडस्ट्री, कॉमर्स के विस्तार के लिए 27300 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इससे इस सेक्टर को नई ताकत मिली।। इसमें कोई संदेह नहीं है। जो लोग आर्थिक विकास दर घटने की बात कर रहे हैं कि उन्हें समझना होगा कि संरचानात्मक विकास पर जो पैसे खर्च होते हैं, उनका लाभ निकट के कुछ वर्षों में होता है। इसे नुकसान की कोटि में रखना न तो न्यायसंगत है और न ही व्यावहारिक।

सरकार ने पेट्रोल पर 2.5 रुपए और डीजल पर 4 रुपए एग्री सेस का प्रस्ताव रखा है। यह 2 फरवरी से लागू हो जाएगा। हालांकि, वित्त मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि इसका बोझ आम आदमी पर नहीं आने दिया जाएगा। इसके लिए बेसिक एक्साइज ड्यूटी और स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटा दी गई है। इस दावे को पूरा करने में सरकार कितनी सफल होगी, यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन सरकार का बेहतर सोचना भी बहुत है।

श्रीराम मंदिर निर्माण : निधि समर्पण में संशय क्यों

डॉ.रामकिशोर उपाध्याय

लगभग पाँच सौ वर्षों की संघर्ष यात्रा के पश्चात् अयोध्या में भगवान् श्रीराम का भव्य मंदिर बनने जा रहा है। प्रत्येक आस्तिक व्यक्ति मंदिर निर्माण में अपना सहयोग करने को तत्पर है। हिन्दू समाज की वर्षों पुरानी मनोकामना पूर्ण होने जा रही है। ऐसे में कुछ लोग जो मंदिर निर्माण के विरोधी रहे हैं, वे आमजन के मन में संशय उत्पन्न करने वाले वक्तव्य दे रहे हैं। कुछ लोग चाहते हैं कि इस पवित्र अभियान को विवादित बनाकर राजनीतिक लाभ प्राप्त किया जाए। अतः प्रत्येक व्यक्ति को, जो इस अभियान से जुड़ना चाहता है, निधि समर्पण, मंदिर निर्माण एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें जानना अवश्यक है।

मंदिर का निर्माण श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट करा रहा है। ट्रस्ट का गठन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर भारत सरकार ने किया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास जी महाराज हैं एवं सचिव श्री चम्पत राय जी हैं। चम्पत राय जी विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं।

ट्रस्ट ने निर्माण कार्य का दायित्व लार्सन टुब्रो कम्पनी को सौंपा है। इस कंपनी को परामर्श देने के लिए टाटा कंसल्टेंट इंजीनियर्स की सहायता ली जा रही है। इनके अतिरिक्त आईआईटी बंबई, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी चेन्नई, आईआईटी गुवाहाटी, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की के भवन निर्माण में निपुण अभियंताओं का सहयोग लिया जा रहा है। मंदिर का वास्तु (नक्शा) अहमदाबाद के चंद्रकान्त सोमपुरा जी ने तैयार किया है।

आप अपने मोबाइल से पे-टीएम, गूगल-पे और फोन-पे आदि द्वारा सीधे-सीधे ट्रस्ट के खाते में राशि भेज सकते हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं बैक ऑफ़ बड़ौदा में विशेष खाते खुलवाये हैं। आप इनमें चेक द्वारा, एनईएफटी या फंड ट्रांसफर कर ट्रस्ट के खाते में समर्पण निधि जमा करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त संघ एवं विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता घर-घर जाकर समर्पण निधि एकत्रित कर कर रहे हैं, उन्हें ट्रस्ट द्वारा दी गई रसीदों के माध्यम से भी समर्पण राशि दे सकते हैं। निधि समर्पण अभियान मकर संक्रांति से माघ पूर्णिमा तक चलाया जाएगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समर्पण निधि एकत्रित करने में संघ और विश्व हिन्दू परिषद की सहायता ले रहा है। सभी प्रकार की रसीदें ट्रस्ट द्वारा ही उपलब्ध कराई गई हैं। समर्पण राशि केवल ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराये गए कूपन और रसीदों के माध्यम से ही एकत्रित की जा रही है। यह राशि सीधे ट्रस्ट के पास ही भेजी जाएगी। ट्रस्ट चाहता है कि राम मंदिर निर्माण में सम्पूर्ण देश की सहभागिता हो। इसके लिए प्रत्येक नगर, गाँव, मोहल्ले तक जाने वाले कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। संघ, विश्व हिन्दू परिषद एवं अन्य रामभक्त जो पिछले कई दशकों से राम जन्मभूमि के लिए जुटे हैं, ट्रस्ट उन्हीं संगठनों से समर्पण राशि एकत्रित करने में सहयोग ले रहा है। साथ ही ट्रस्ट चाहता है कि देश की नई पीढ़ी भगवान् राम के आदर्शों और गुणों से परिचित हो। समर्पण निधि देने वाले को यह भी पता होना चाहिए कि कितने संघर्षों, बलिदानों और प्रमाणों के पश्चात मंदिर निर्माण होने जा रहा है। निधि समर्पण के साथ-साथ अपनी संस्कृति और धर्म के प्रति भाव जागरण कराने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। कोई भी संगठन या व्यक्ति सीधे-सीधे ट्रस्ट के नाम राशि व अपना सन्देश भेज सकता है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अपनी वेबसाइट पर ट्रस्ट एवं निधि समर्पण से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध करा दी है। यह स्वैच्छिक समर्पण है जिसकी जितनी श्रद्धा हो करे, चाहे जिस माध्यम (बैंक,ऑनलाइन या रसीद द्वारा) से करे। देश के प्रत्येक रामभक्त का कर्तव्य है कि वह निधि समर्पण एवं मंदिर निर्माण के विषय में प्रामाणिक व्यक्तियों एवं माध्यमों से ही जुड़े।

मुझे खुद को बचाने की कोई इच्छा नहीं थी, और मैंने कभी इसके बारे में गंभीरता से नहीं सोचा।
- भगत सिंह

एक नजर

मातृ पितृ सदन में कंबल बांटे

लखनऊ(क्राइम रिव्यू)। सर्वजन हिताय के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सर्वजन कल्याण एसोसिएशन के पदाधिकारियों के द्वारा सफेदाबाद स्थित मातृ पितृ सदन में रहने वाले लगभग 60 वृद्ध जनों को कंबल का वितरण किया गया। कंबल पाकर वृद्धजन फुले नहीं समाये। एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता हेमंत भसीन ने बताया कि लगभग सभी वृद्धजनों से मिलने के बाद इस बात का एहसास हुआ कि इस प्रकार के कार्यों से जीवन में जो संतुष्टि मिलती है, उसकी पूर्ति किसी अन्य तरीके से नहीं हो सकती है। इसीलिए समाज के सभी लोगों से यह अपील जरूर करूंगा कि अपनी क्षमता के अनुसार कोई ना कोई सामाजिक हित का कार्य अवश्य करें। कंबल पाकर वृद्धजनों ने संगठन के सदस्यों की प्रशंसा की और उन्हें शुभाशीष दिया।कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, महासचिव सचिन कटिहार, प्रदेश प्रवक्ता हेमंत भसीन, सचिव नितेश शर्मा, उदय श्रीवास्तव, महिला इकाई अध्यक्ष अनुराधा सिंह एवं महिला उपाध्यक्ष उषा त्रिपाठी उपस्थित रही।

दो दिवसीय वेदकथा 13 फरवरी से

लखनऊ(क्राइम रिव्यू)। सत्यनारायण वेद प्रचार ट्रस्ट एवं जिला वेद प्रचार संगठन लखनऊ द्वारा दो दिवसीय वेदकथा का आयोजन आर्ष गुरुकुलम्, रसूलपुर कायस्थ जानकीपुरम् में 13 फरवरी से किया जा रहा है। कार्यक्रम में कोरोना महामारी के समापन तथा वातावरण के शोधन हेतु आयुर्वेदिक औषधियों से निर्मित विशुद्ध हवन सामग्री व गोघृत से हवन होगा। ट्रस्ट के संस्थापक आचार्य विश्वव्रत शास्त्री ने बताया कि 51 कुण्डीय हवन प्रतिदिन प्रातः 8-00बजे से वेदपाठी आचार्यों द्वारा किया जायेगा। यज्ञ के समापन पर वैदिक विद्वानों के प्रवचन तथा भजनोपदेश का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में दिल्ली से आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय, पंजाब से स्वामी ओमदत्त आचार्य, हरिद्वार से कुलदीप विद्यार्थी आदि विद्वान उपस्थित होंगे । कार्यक्रम के प्रथम दिन अपराह्न 4 बजे से लखनऊ पश्चिम के विधायक सुरेश श्रीवास्तव द्वारा वेदप्रचार हेतु समर्पित 20 विभूतियों को श्रुतिदर्शन सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। 14 फरवरी द्वितीय दिवस के समापन पर लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा द्वारा ट्रस्ट की पत्रिका श्रुतिदर्शन के नवीन अंक का लोकार्पण किया जाएगा।

कुष्ठरोग है तो इलाज में लापरवाही न करें

गोसाईगंज (क्राइम रिव्यू)। कुष्ठरोग से घबराने की जरुरत नहीं हैं इसका इलाज संभव है लेकिन कुष्ठरोग होने पर इलाज में लापरवाही न बरतें इससे रोगी दिव्यांग हो सकता है। हर स्वास्थ्य केन्द्र पर इसका इलाज उपलब्ध है। कुष्ठ निवारण अभियान के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोसाईगंज पर जादूगर ने जादू के माध्यम से लोगों को जागरुक करते हुए उक्त जानकारी दिया। यहां बताया गया कि शरीर पर त्वचा से हल्के रंग या कत्थई रंग के धब्बे और उनपर सुन्नता होना कुष्ठ रोग का लक्षण हो सकता है। इसके अलावा हाथ पैर में सुन्नता होना और, झनझनाहट होना तथा नसों में दर्द होना भी कुष्ठ रोग का लक्षण हो सकता है। चमकदार और मोटापन वाली लालिमायुक्त त्वचा हो तो भी कुष्ठरोग की जांच जरुरी है। ऐसा होने पर जांच कराएं और कुष्ठ रोग होने पर इलाज जरुर कराएं। कुष्ठरोग ठीक हो जाता है लेकिन इलाज न कराने पर यह रोगी को दिव्यांग भी बना सकता है। कुष्ठ जागरुकता अभियान में सिकंदर जादूगर के कार्यक्रम को देखने वालों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डा0 हेमंत कुमार, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नरायण, प्रतिरक्षण अधिकारी शैलेन्द्र कुमार, छोटेलाल, अरविंद कुमार व उमेश कुमार के अलावा तमाम मरीज व अन्य लोग मौजूद रहे।

भाकियू ने उप जिलाधिकारी को विभिन्न सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

बीकेटी(क्राइम रिव्यू)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष वसीम मुन्ना ने उप जिलाधिकारी को विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपकर मांग की है। मांग है कि भारत सरकार द्वारा हाल में ही पारित किये गये तीनों कृषि कानूनों को वापिस लिया जाये एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाया जाये। उन्होने बताया चार माह से देश भर व दो माह से दिल्ली के कई बॉर्डर पर कृषि क्षेत्र के लिए बनाये गये तीन कानून कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार अध्यादेश 2020,कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अध्यादेश 2020, आवश्यक वस्तु अधिनियम संशोधन अध्यादेश 2020 पर संसद से लेकर सड़क तक हंगामा हो रहा है। एक तरफ सरकार का दावा है कि इन कानूनों से बिचौलिए खत्म होंगे, भंडारण के क्षेत्र में निवेश बढेगा और किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिलेगा। दूसरी तरफ किसान इसे काला कानून बताते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य को समाप्त किए जाने की कोशिश मान रहे हैं। कृषि में खुले बाजार की व्यवस्था वर्ष 2006 से बिहार राज्य और दुनिया के सबसे साधन सम्पन्न देश अमेरिका में 60 सालों से लागू है। खुले बाजार की व्यवस्था का लाभ केवल कम्पनियों को हुआ है। आरोप है कि भारत सरकार व प्रधानमंत्री के द्वारा फसल समर्थन मूल्य व्यवस्था को बनाये रखने का भरोसा दिया है, लेकिन किसान अभी भी आश्वस्त नहीं है। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी ह्रदेश कठेरिया, बीकेटी पुलिस सहित अन्य तमाम अधिकारी उपस्थित रहे।

दहेज लोभियों का पुतला फूंका

राजाजीपुरम (क्राइम रिव्यू)। तालकटोरा के अशरफ नगर में बीती 2 फरवरी को नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में आग से जलकर मौत हो गई थी। जिसपर शनिवार को राष्ट्रीय युवा वाहिनी के नेतृत्व में महिला के परिवारजनों ने पत्थर कट्टा तिराहे पर दहेज लोभियों का फुतला फूंका। सआदतगंज लकडमण्डी निवासी मोहम्मद चांद ने अपनी 20 वर्षीय बेटी दरखशा बानो उर्फ जोया का विवाह बीते 5 जून 2020 को अशरफ नगर निवासी मुन्ने खॉ के बेटे शादाब उर्फ शानू के साथ किया था। बीती 2 फरवरी को दूसरी मंजिल पर कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता दरखशा बानों गंभीर रूप से आग से झुलस गई थी और इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मृतक दरखशा के पिता ने दहेज हत्या का आरोप लगाकर मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आज मृतक दरखशा के परिजनों ने राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के डी शर्मा के नेतृत्व में पत्थर कट्टा तिराहे पर नारेबाजी कर दहेज लोभियों का पुतला फूंका। साथ ही सरकार से मांग की दहेज हत्या के लिए कठोर कानून बनाया जाएं। जिससे दहेज लोभियों को कठोर से कठोर सजा मिल सकें। इस मौके पर संगठन के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष यासिर खान, नजमा बेगम, मोहम्मद चांद सहित कई लोग शामिल थे।

क्रेडिट कार्ड पर लुभावने ऑफर देकर ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश

गिरफ्तार

- क्रेडिट कार्ड ऑफर देकर लोगों के अकाउंट से रकम उड़ाने वाले तीन अरेस्ट
- चिनहट के देवा रोड पर चल रहा था कॉल सेंटर

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। इंटरनेट कॉलिंग कर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, दूर पैकेज और गिफ्ट ऑफर देने के नाम पर ठगी करने वाले एक गैंग का साइबर क्राइम सेल ने पर्दाफाश किया है। दिल्ली में बैठ कर एक शातिर जालसाज पूरा नेटवर्क चला रहा था. फर्जी कॉल सेंटर में 5 से 6 लड़कियों को भी कॉलिंग के लिए नौकरी दी गई थी। साइबर टीम ने फर्जी कॉल को चलाने वाले तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया है. यह तीन महीने से कॉल सेंटर चला रहे थे और लोगों से अब तक 10 से 12 लाख रुपये ऐंठ चुके थे।

30 हजार अकाउंट से गायब

हसनगंज के इशराक सिराज ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पास एक कॉल आई, कॉलर ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का ऑफर दिया. कॉलर की बातों के जाल में फंस कर इशराक ने उसके बताए गए लिंक को क्लिक कर ओटीपी शेयर कर दी, जिसके बाद उसके अकाउंट से 30 हजार रुपये गायब हो गए। इशराक ने हसनगंज थाने में मामले में एफआईआर भी दर्ज कराई. साइबर क्राइम सेल ने उस नंबर और अकाउंट से ट्रांसफर हुए दूसरे अकाउंट में रकम की पड़ताल की। इस दौरान उन्हे चिनहट के देवां रोड पर चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का पता चला।

3 माह से चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर

साइबर क्राइम सेल प्रभारी एसीपी विवेक रंजन राय ने बताया कि चिनहट के देवा रोड पर तीन महीने से फर्जी कॉल सेंटर चल रहा था गो इंडिया नाम से इस कॉल सेंटर में 5 से 6 लड़कियां काम कर रही थी। उन्हें बकायदा 8 से 12 हजार रुपये सैलरी भी दी जाती थी। उन्हें कॉल सेंटर संचालक दिल्ली से डाटा उपलब्ध कराता था और ग्राहकों से कॉलिंग कराई जाती थी।

दिल्ली का एक युवक है संचालक

एसीपी विवेक रंजन ने बताया कि कॉल सेंटर संचालन अमीर नाम का युवक चला रहा था। वह दिल्ली में बैठकर इसे ऑपरेट कर रहा था जबकि यहां उसके तीन साथी मऊ धोसी निवासी अभिषेक कुमार पाल, आजमगढ़ मुबारकपुर निवासी अशोक कुमार पाल और नजफगढ़ दिल्ली निवासी राजकुमार वर्मा संचालित कर रहे थे। तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया. उनके पास से लैपटॉप, एडीएम कार्ड, फर्जी मुहर, राउटर बरामद किया गया।

डिटेल शेयर करते ही अकाउंट खाली

डाटा मिलने के बाद कॉल सेंटर से इंटरनेट कॉलिंग के माध्यम से ग्राहकों को कॉल किया जाता था, जिस बैंक का कार्ड ग्राहक के पास होता था उसके बैंक के क्रेडिट सेक्शन से बात करने बात कही जाती थी। इससे कस्टमर आसानी से उनके जाल में फंस जाता था. ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के साथ टूर पैकेज, गिफ्ट ऑफर दिया जाता था। उनके ऑफर स्वीकार करते हुए एक ओटीपी नंबर ग्राहक के पास आता था और उसके शेयर करते हुई उनके अकाउंट से कैश गायब हो जाता था।

2018 में भी पकड़ा गया था यहीं गैंग

साइबर क्राइम सेल टीम मेंबर रणधीर सिंह के अनुसार दिल्ली से फर्जी कॉल सेंटर संचालित करने वाला फरार आरोपी अमीर 2018 में भी पकड़ा गया था। उसे हजरतगंज पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर चलाने के मामले में गिरफ्तार किया था. इस बार वह दिल्ली में बैठकर ऑपरेट कर रहा था। कॉल सेंटर एक जगह पर दो से तीन महीने ही संचालित किया जाता था और फिर प्लेस बदल दिया जाता था। इस बार लेखराज मार्केट के आस-पास ऑफिस खोलने की तैयारी थी।

वीजीपी वर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 13 फरवरी से

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। तृतीय विद्यावती गयाप्रसाद वर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (वीजीपी वर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट) का आयोजन 13 फरवरी से जानकीपुरम स्थित सहारा स्टेट ग्राउंड में किया जा रहा है। टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं।जिन्हे पूल ए व पूल बी में बांटा गया है। अध्यक्ष एसके वर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट 20 ओवर का होगा। सभी मैच बीसीसीआई टी-20 फार्मेट व रूल्स के अंर्तगत खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में जेपी इलेवन क्लब, तेज वारियर्स, लेखा हेडक्वार्टर्स, सेरामिक वर्ल्ड, क्रिकेट बर्डीज क्लब, खानदान ए अवध क्लब, चन्दन हॉस्पिटल व लखनऊ हंटर्स की टीमें हिस्सा ले रही हैं। श्री वर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि निदेशक कार्मिक प्रबंधन एवं प्रशासन मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड प्रदीप कक्कड़ करेंगे। पहला मैच जेपी इलेवन क्लब व तेज वारियर्स के बीच होगा। जबकि दूसरा मैच लेखा हैडक्वार्टर्स व सेरामिक वर्ल्ड के बीच खेला जाएगा। पूल बी में 14 फरवरी को पहला मैच क्रिकेट बर्डीज क्लब व खानदान ए अवध क्लब के बीच खेला जाएगा। जबकि दूसरा मैच चन्दन हॉस्पिटल व लखनऊ हंटर्स के बीच होगा। टूर्नामेंट सेक्रेटरी प्रदीप वर्मा ने बताया कि 21 फरवरी को दोनों सेमीफाइल व 28 फरवरी को फाइनल मैच का आयोजन किया जाएगा। प्रदीप ने बताया कि वह क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन अपनी माँ विद्यावती व पिता गया प्रसाद वर्मा की स्मृति में आयोजित करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजन में संजय सिंह व हिमांशु वाष्णेय का विशेष सहयोग रहता है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोनिवि के एनडी द्विवेदी अध्यक्ष, महामंत्री प्रकाश चन्द्र चुने गए

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग का 65 वॉ अधिवेशन आज कोविड 19 की गाईड लाइन के मद्देजन डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अपने कार्यकाल में किए गए डिप्लोमा इंजीनियर्स हितों के कार्यो का सुक्ष्म उल्लेख करते हुए निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि संगठन चलाना आसान नही, हर क्षण संघर्ष से कम नही। आप लोगों को अगर संगठन और अपनी शक्ति को इसी तरह बरकरार रखना है तो इस बॉत को जरूर ध्यान रखना कि संगठन में जातिपाति, क्षेत्र या भाई भतीजा वाद को कोई जगह नही मिलनी चाहिए।

संघ के प्रान्तीय अधिवेशन में प्रदेश के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नामांकन और नाम वापसी के बाद निर्विरोध कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संघ के अध्यक्ष पद पर लगभग 15 वर्षो से विभिन्न पदों का कार्य देख रहे और वर्तमान कार्यकारिणी में अतिरिक्त महामंत्री और संघ के महाधिवक्ता कहे जाने वाले इं. नारेन्द्रधर द्विवेदी (इं. एन.डी. द्विवेदी) को अध्यक्ष चुना गया।

संघ भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित अधिवेशन में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ द्वारा निर्धारित पैनल के तहत नियुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ राजकीय निर्माण के महामंत्री इं. एस.डी. द्विवेदी, सहायक निर्वाचन अधिकारी अध्यक्ष डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सेतु निगम इं. एस.पी. गुप्ता और सहयोगी इं. मिर्जा फिरोज शाह, इं. दिवाकर गौतम इं. श्रवण कुमार और डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के महासचिव इं. जी.एन. सिंह की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए तीन तीन नामांक पत्र दाखिल हुए, निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि अध्यक्ष और महामंत्री पद पर दो -दो नामांकन पत्र वापिसी के बाद सम्पूर्ण कार्यकारिणी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सहायक निर्वाचन अधिकारी इं0 एस.पी. गुप्ता ने निर्वाचन की घोषणा करते हुए बताया कि अध्यक्ष पद परे इं. नारेन्द्रधर द्विवेदी (इं. एन.डी. द्विवेदी), वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं. श्रवण कुमार यादव, महामंत्री इं. प्रकाश चन्द्र, उपाध्यक्ष मध्यांचल इं. श्रीयोधन, उपाध्यक्ष पश्चिमांचल इं. पंकज सिह चैहान,उपाध्यक्ष पूर्वांचल इं. चन्द्रजीत यादव, उप महामंत्री मध्यांचल इं. अशोक कुमार सोनी, उप महामंत्री परिचमांचल इं. राजीव कुमार, उप महामंत्री पूर्वाचल इं. चन्द्रप्रताप, मंत्री वित्त इं. उदित भटनागर, मंत्री लेखा प्रथम इं. अनित कुमार, मंत्री लेखा द्वितीय इं. सुनील दत्त, मंत्री जीपीएफ इं. पंकज, मंत्री सिविल इं.रवि कुमार वर्मा, मंत्री विधुत इं. लवकुश भारती, मंत्री यॉत्रिक इं. के.के. गौतम, मंत्री प्राविधिक इं. चद्रकेश, मंत्री स्नातक इं. रूचि गुप्ता, मंत्री प्रोन्नत प्राप्त अवर अभियंता इं. अक्षय वीर सिंह, मंत्री पेंशन अवशेष इं. ओ.पी. यादव, मंत्री वित्त परिवार सहायता कोष इं. अरविन्द कुमार पोरवाल, मंत्री प्रोन्नत प्राप्त अधिकारी इं. श्याम कृष्ण श्रीवास्तव और मंत्री प्रतिनियुक्ति इं. संतोष कुमार मिश्रा चुने गए। अधिवेशन के दौरान महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष इ.एस.पी. मिश्रा, जल निगम के इं. राघवेन्द्र गुप्ता, आल इण्डिया चालक फेडरेशन के अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय, चालक संघ लोक निर्माण विभाग के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोक सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के निवर्तमान महामंत्री इं. बी.के. कुशवाहा, निवर्तमान उपाध्यक्ष इं. दिवाकर राय, इं. राजेश श्रीवास्तव, इं. एच.एन. मिश्रा, इं. सुनील पाण्डेय, आदि मौजूद थें।

डीबीएस स्कूल के बच्चों ने देखी परिंदों की अनोखी दुनिया

आयोजन

वेटलैंड दिवस पर कुकरैल पिकनिक स्पॉट पर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। विश्व वेटलैंड दिवस के अवसर पर पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा मंगलवार को कुकरैल पिकनिक स्पॉट पर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में डीबीएस मांटेसरी स्कूल, इंदिरानगर के छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक लखनऊ मंडल आरके सिंह, विशिष्ट अतिथि बीबीएयू के प्रोफेसर डॉ वेंकटेश दत्ता, डीएफओ लखनऊ डॉ रवि कुमार सिंह, आरएफओ केपी सिंह, एसडीओ आलोक चन्द्र पाण्डेय, अतिजीत जोशी, डीबीएस स्कूल के प्रबन्धक डीबी सिंह चौहान, शिक्षिकाएं विनीता सिंह, प्रियंका सिंह व फारिया मौजूद रही।

मुख्य अतिथि श्री सिंह ने बच्चों को वेटलैंड के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 2 फरवरी 1971 को विश्व के विभिन्न देशों ने ईरान के रामसर में विश्व के वेटलैंड्स के संरक्षण हेतु एक संधि पर हस्ताक्षर किये थे, इसीलिये इस दिन को विश्व वेटलैंड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।इसका उद्देश्य ग्लोबल वार्मिंग का सामना करने में आर्द्रभूमि जैसे दलदल तथा मंग्रोव के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। वर्ष 2021 के लिये विश्व आर्द्रभूमि दिवस की थीम 'आर्द्रभूमि और जल' (वेटलैंड और वाटर) रखा गया है। बर्ड फेस्टिवल में बच्चों ने मुख्य रूप से मोर, उल्लू, गौरैया, सेवन सिस्टर, किंगफिशर, स्पैरा सनबर्ड, नीलकंठ, ग्रे हारान, इंडियन, सिल्वर बिल, रेड पार्किंग, नाईट हेरान, प्रेनिया समेत विभिन्न पक्षियों को देखा और उनके बारे में जानकारियां बटोरी।

प्रतियोगिता में आशुतोष, आकाश व नेहा रहे अव्वल

इस मौके पर चित्रकला, स्लोगन व निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में आशुतोष मिश्रा प्रथम, हुदा खातून द्वितीय व नेहा गौतम तृतीय रही। वही निबन्ध में आकाश रावत, जीत गौतम व उदय राज क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। स्लोगन में नेहा गौतम ने बाजी मारी। जबकि जय रावत दूसरे व श्वेता यादव तीसरे स्थान पर रही।

मंत्री के दौरे ने बदल दी मोहनलालगंज ब्लाक मुख्यालय की तस्वीर

क्राइम रिव्यू

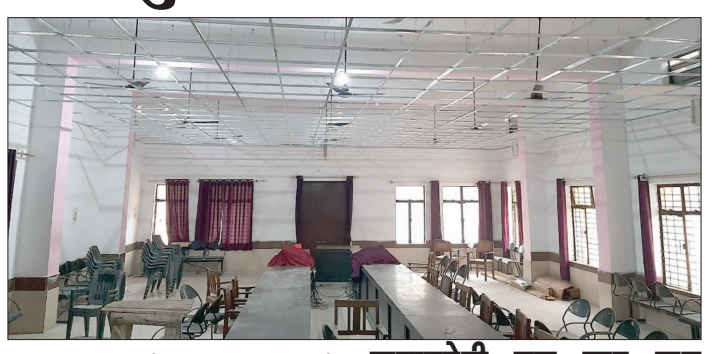

मोहनलालगंज। ग्राम्य विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह के दौरे ने मोहनलालगंज ब्लाक मुख्यालय की तस्वीर बदलकर रख दी है। लिहाजा बीडीओ अजय कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में लगभग 15 साल पहले ब्लाक के बुनियादी ढांचे को नए सिरे से विकसित करने के लिए शुरु की गई मुहिम अब जाकर साकार होती दिख रही है। सालों से इंतजार कर रहीं फैन्सी लाइटों के अब जगमगाने की बारी आई है। प्रवेश द्वार से लेकर परिसर के चप्पे-चप्पे को संवारने का अभियान अन्तिम दौर में होने के साथ ही जनप्रतिनिधियों को बेहतर कांफ्रेन्स रुम से लेकर गेस्ट हाऊस तक की सौगात भी मिलने जा रही है। यही नहीं माडर्न कम्यूनिटी टायलेट और हर्बल गार्डेन भी ब्लाक मुख्यालय को चार चांद लगाएंगे।

मोहनलालगंज ब्लाक का औचक निरीक्षण करने पहुंचे ग्राम्य विकास मंत्री ने 27 दिसम्बर 2019 को परिसर में जर्जर और निष्प्रयोज्य भवनों की भरमार देखकर ब्लाक मुख्यालय का कायाकल्प कराकर जनप्रतिनिधियों के लिए कांफ्रेस हाल और गेस्ट हाऊस की सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद आनन-फानन मंत्री के सुझाए बिन्दुओं को कार्ययोजना में शामिल कर तत्कालीन बीडीओ भोलानाथ कनौजिया और ब्लाक प्रमुख विजय लक्ष्मी ने ब्लाक मुख्यालय के कायाकल्प अभियान की शुरुआत कराई। बीडीओ अजीत कुमार सिंह और प्रमुख की अगुवाई में कायाकल्प की वह मुहिम अब साकार होने जा रही है। जेई आरईडी अरविन्द चौरसिया की देखरेख में साल भर से चल रहे कायाकल्प अभियान के दौरान अब तक कलामंच और मल्टीपरपज शेड का पुनरोद्धार ,बाउण्ड्रीवाल की ऊंचाई बढ़ाने ,जर्जर भवनों की मरम्मत व रंगरोगन , फैन्सी लाइटों की वायरिंग व मरम्मत ,प्रवेश द्वार की मरम्मत समेत कई कार्य कराए जा चुके हैं। जबकि परिसर को आठ सोलर लाइटों से जगमगाने का कार्य भी चल रहा है। इसके अतिरिक्त इक्कीस क्यारियों में औषधीय पौधे तैयार करने के लिए हर्बल गार्डेन और मूलभूत सुविधाओं से लैश गेस्ट हाऊस का कार्य भी अन्तिम दौर में है। वहीं बैडमिन्टन कोर्ट और आमजन के लिए आधुनिक सामुदायिक शौचालय के निर्माण का कार्य भी युद्धस्तर पर चल रहा है। कायाकल्प के बाद जल्द ही ब्लाक मुख्यालय पर बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों का ग्राम्य विकास मंत्री से लोकार्पण कराने की भी तैयारी है। बीडीओ अजीत कुमार सिंह ने बताया ब्लाक को आईएसओ सर्टिफिकेट मिल चुका है।कायाकल्प कराकर जल्द ही मोहनलालगंज ब्लाक को मॉडल तौर पर विकसित करने की हरसंभव कोशिश की जा रही है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी तैयार

कायाकल्प अभियान के दौरान मोहनलालगंज ब्लाक में जलनिकासी की नालियां बनवाकर कम खर्च में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी तैयार कराया जा रहा है। जेई अरविन्द चौरसिया ने बताया नालियों की मदद से ब्लाक परिसर में बारिश का पानी एक जगह एकत्र कर बोरिंग के जरिए उसे फिर से जमीन के अन्दर पहुंचाया जाएगा।

जवाबदेही तय कर गुड गवर्नेन्स की तैयारी

बीडीओ अजीत कुमार सिंह ने बताया ब्लाक में बुनियादी सुविधाओं का विकास कराने के साथ ही आमजन से जुड़े हर छोटे-बड़े कार्य और जरुरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ देने के लिए ग्राम पंचायत सचिवों से लेकर ब्लाक कर्मियों तक की जवाबदेही तय कर गुड गवर्नेन्स भी कायम किया जाएगा। जिसके लिए अभिलेखों का बेहतर रखरखाव कराया जा रहा है। आनलाइन सेवाओं और जनसुनवाई रजिस्टर की नियमित समीक्षा की जा रही है।

हमारा देश एक मन्दिर है और हम इसके पुजारी, हमे राष्टदेव की पूजा में खुद को समर्पित कर देना चाहिए।
– अटल बिहारी बाजपेयी

एमबीबीएस डिग्री पर लोन स्कीम का फायदा उठाकर जालसाजों ने खेला करोड़ो का खेल

शहर के दो डॉक्टरों के नाम पर 30 व 35 लाख रुपये का किया फ्रॉड, कंपनी के दो कर्मचारी समेत पांच आरोपी अरेस्ट

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए चलाई गई स्पेशल लोन स्कीम का फायदा भले ही डॉक्टर्स न उठा पाए हो, पर जालसाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया। शहर के दो डॉक्टर्स के नाम पर जालसाजों ने 30 और 35 लाख रुपये का फेंक डॉक्यूमेंट्स लगाकर लोन ले लिया। इस खेल में कंपनी के दो मुलाजिम भी शामिल थे। डॉक्टरों ने जब कंपनी से शिकायत की तो कंपनी ने जालसाजों के खिलाफ हजरतगंज थाने में केस दर्ज कराया। जांच साइबर सेल को सौंपी गई और साइबर क्राइम सेल ने पूरे नेक्सेज का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पूरा खेल ढाई से तीन करोड़ का सामने आया।

कंपनी ने डॉक्टरों के लिए निकाली थी स्कीम

बजाज फाइनेंस कंपनी ने कोविड 19 से एमबीबीएस डॉक्टर्स के लिए एक स्पेशल लोन स्कीम चला रही हैं। स्कीम में डॉक्टर्स की एमबीबीएस डिग्री पर ही उन्हें फोन पर लोन दिया जा रहा है। लोन के लिए उनके क्रेडिट स्कोर और डॉक्यूमेंट्स को ही चेक किया जाता है. इसी दौरान कंपनी ने शहर के दो डॉक्टर्स डॉ. शोभित श्रीवास्तव और राजेंद्र चौधरी के नाम पर 30 और 35 लाख का लोन दिया था। लोन पास होने के कुछ दिन बाद जब डॉक्टर्स के पास सिविल डेटा पर मैसेज आने शुरु हुए तो उन्होंने कंपनी से मिलकर इसकी शिकायत करते हुए लोन न लेने की बात कहीं। इसके बाद कंपनी के होश उड़ गए और पूरा मामला फर्जीवाड़े व जालसाजी से जुड़ा होने के चलते कंपनी के आरसीयू डिपार्टमेंट के प्रभारी दिनेश शर्मा ने जालसाजों के खिलाफ हजरतगंज थाने में केस दर्ज कराया। इस मामले की जांच साइबर क्राइम सेल को सौंपी गई।

कैसे करते थे फ्रॉड

साइवर क्राइम सेल ने पूछताछ में बताया कि स्कीम के तहत फेमस डॉक्टरों की फर्जी डिग्री व डॉक्यूमेंट्स तैयार कर लोन अप्लाई किया जाता है। लोन लेने के लिए बस डॉक्टर का ओरिजनल मोबाइल नंबर और बैंक एकाउंट नहीं दिया जाता है। उसकी जगह दूसरा मोबाइल नंबर और डॉक्टर के नाम पर डुप्लीकेट एकाउंट नंबर खोलकर दिया जाता है। पैसा ट्रांसफर होते ही उस एकाउंट से कैश निकाल लिया जाता था और सभी लोग आपस में बांट लेते थे। इस मामले में एक कंपनी के एक जोनल अधिकारी का भी नाम सामने आया है।

कंपनी को दो कर्मचारी समेत पांच गिरफ्तार

मामले की जांच कर रही साइबर क्राइम सेल ने शनिवार को बजाज फाइनेंस कंपनी के दो कर्मचारी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी ओमैक्स सिटी निवासी रितेश शुक्ला, खरगापुर अवधपुरी निवासी इशान शर्मा, बाराबंकी निवासी अभिमन्यु राय, मोहित कुमार वर्मा, और महेंद्र पांडेय उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार किया। इसमें से एक कर्मचारी रितेश है और दूसरा पूर्व कर्मचारी इशान शर्मा है।

ढाई से तीन करोड़ रुपये का फ्रॉड

इस मामले की जांच कर रही टीम और कंपनी से जुड़े अफसरों का कहना है कि यह केवल दो केस है जिसमें 65 लाख का फ्राड सामने आया लेकिन उससे जुड़े कई और मामले सामने आए है। यह रकम करीब ढाई से तीन करोड़ रुपये की है। जिसमें शहर के कई फेमस डॉक्टरों के नाम पर फर्जी तरीके से लोन लिया गया।

मलिहाबाद के किसानों का कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन

क्राइम रिव्यू

मलिहाबाद। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के बैनर तले मलिहाबाद चौराहे पर किसानों ने प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। किसानों का कहना है कि ठंड में किसान धरने पर बैठे हैं उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है ।किसानों की सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज होगा।

किसानों ने एसडीएम अजय कुमार राय को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा ।जिसमें मांग की गई कि कड़ाके की ठंड में भी किसान धरने पर जमे हैं। उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री को चाहिए कि तीनों कानून वापस ले लें किसानों से कोई उनकी लड़ाई नहीं है ।किसान अपनी मांग कर रहे हैं और किसान हित में ही वह मांग उन्हें मान लेनी चाहिए। पहले से ही मलिहाबाद चौराहे पर सीओ योगेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर मलिहाबाद चिरंजीव मोहन सहित अतिरिक्त पुलिस बल तैनात था। जिसके चलते किसान सड़क जाम नहीं कर सके ।

इलाके में कोई जाम की सूचना नहीं

मलिहाबाद, रहीमाबाद सहित क्षेत्र में कहीं से कोई सड़क जाम की सूचना नहीं आई। इलाके में सामान्य तौर पर दुकानें खुली रहीं किसी तरह का कोई चक्का जाम का असर दिखाई नहीं दिया।

ऑनलाइन पेमेंट बाधित होने से हैण्डपम्प मरम्मत-मजदूरी लटकी

क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। पंचायतों में आनलाइन भुगतान की प्रक्रिया बाधित होने से हैण्डपम्प मरम्मत और मजदूरी का भुगतान नहीं हो पा रहा है। लिहाजा ग्रामीणों को पेयजल की समस्या झेलने के साथ ही बकाया मजदूरी भी नहीं मिल पा रही है। जिसे लेकर परेशान ग्रामीण ग्राम पंचायत सचिवों से लेकर ब्लाक अधिकारियों तक से गुहार लगाते फिर रहे है। लेकिन पंचायतराज विभाग के अधिकारी आनलाइन पोर्टल में तकनीकि समस्या बताकर पल्ला झाड़ ले रहे हैं।

मोहनलालगंज ब्लाक समेत जिले भर की ग्राम पंचायतों में ई ग्राम स्वराज पोर्टल में आनलाइन पेमेण्ट की प्रक्रिया प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से बाधित चल रही है। लिहाजा अधिकतर ग्राम पंचायतों में खराब पड़े हैण्डपम्पों की मरम्मत नहीं हो पा रही है। जिला प्रशासन की ओर से पंचायतों में आयोजित कराई गई चौपाल से लेकर तहसील समाधान दिवस तक हैण्डपम्प खराब पड़े होने की शिकायतें पहुंच चुकी हैं। लेकिन भुगतान शुरु होने के बाद ही हैण्डपम्प मरम्मत हो पाने का कहकर सचिव और प्रशासक पल्ला झाड़ रहे हैं। उधर कई पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों के निर्माण में लगे मजदूरों को मजदूरी का भुगतान भी इसी वजह से लटका पड़ा है। लिहाजा परेशानहाल मजदूर बकाया मजदूरी पाने के लिए सचिव से लेकर ब्लाक की चौखट तक फरियाद लेकर भटक रहे हैं। लेकिन माह भर बीतने के बाद भी लोगों की समस्या का समाधान होते नहीं दिख रहा है।

क्या कहते हैं अधिकारी

सीडीओ प्रभाष कुमार ने बताया आनलाइन पोर्टल से पेमेण्ट बाधित होने की समस्या प्रदेश भर में है। जिसके समाधान के लिए शासन स्तर पर प्रयास चल रहे हैं। राजधानी में जहां कहीं भी हैण्डपम्प खराब होने से लोगों को पेयजल की समस्या संज्ञान में आ रही है उसका तुरंत समाधान कराया जा रहा है। पोर्टल पर आनलाइन पेमेण्ट की समस्या का समाधान होते ही अन्य शिकायतें भी दूर हो जाएंगी।

विधानभवन के सामने सात माह में 363 लोगों ने किया आत्मदाह प्रयास

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बीते सात माह में सात जुलाई से अब तक विधानभवन और लोक भवन के सामने 363 लोग आत्मदाह का प्रयास कर चुके हैं। लगातार आत्मदाह का प्रयास करने वालों संख्या बढ़ती ही जा रही है। विधानभवन और लोक भवन के आस पास इतनी अधिक सुरक्षा और रोजाना रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक यह मार्ग बंद किए जाने के बाद भी लोग सुरक्षा के घेरे को भेदने में सफल हो रहे हैं।

संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था नवीन अरोड़ा

वह किसी न किसी तरह विधानभवन और लोकभवन के आस पास पहुंच ही जाते हैं। आत्मदाह का प्रयास करने वाले लोगों में सर्वाधिक गैर जनपदों के हैं। शुक्रवार को हरदोई से एक परिवार के सात लोग आत्मदाह का प्रयास करने पहुंचे। हालांकि पुलिस की तत्परता से सभी को सुरक्षित बचा लिया गया।

जिलों में सुनवाई न होने के कारण लखनऊ आ रहे लोग संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था नवीन अरोड़ा ने बताया कि लोक भवन और विधानभवन के सामने अबतक को जो आत्मदाह का प्रयास करने के लिए आए हैं उसमें से अधिकतर लोग गैर जनपदों के हैं। जनपदों में सबसे अधिक जमीन को लेकर विवाद हैं। वही लोग चोरी-छुपे यहां आ जाते हैं। हालांकि इन घटनाओं को रोकने के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया है। भारी पुलिस बल लोकभवन के आस पास तैनात रहता है। जो पूरी तरह से सतर्क रहता है। इसमें से 112 लोग ऐसे थे जो बिना सूचना के पहुंचे 251 ऐसे थे जो घोषणा करके आत्मदाह के लिए आए थे अधिकतर लोगों को पुलिस की तत्परता से बचा लिया गया।

कृषि बिलों को यथावत रखने की मांग

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन ने केन्द्र सरकार द्वारा लागू तीनों कृषि सुधार कानूनों (बिलों) का समर्थन करते हुए कृषि बिलों को यथावत रखने की मांग की है, राजधानी लखनऊ के होटल चरण में आयोजित प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन के नेताओं ने एक स्वर में कृषि कानूनों को लेकर भ्रामक विवाद की कड़े शब्दो में निंदा की एवं केन्द्र सरकार से तथाकथित किसान संगठनों एवं उनके नेताओं पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग की।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम निवास यादव ने कहा कि अराजकतावादी तथाकथित किसान संगठन व उनके नेता किसानों के नाम पर कृषि बिलों के खिलाफ लगातार दुशप्रचार कर देश में अराजकता फैलाने का काम कर रहे है, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर जबरन कब्जा कर, 26जनवरी गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रध्वज तिरंगे का अपमान कर, सुरक्षाबलों पर हिंसक हमले कर, चक्का जाम कर ये हिंसक अराजकतावादी किन किसानों का भला करना चाहते है समझ से परे है। किसान के नाम पर राजनीति चमकाने वालों के खिलाफ देश का अन्नदाता उठ खड़ा हुआ है। कृषि सुधार कानूनों (बिलों) से मिलने वाले फायदों को लेकर देश का अन्नदाता उत्साहित है। अन्नदाता इन तीनों कृषि सुधार कानूनों (बिलों) की अपनी वास्तविक आजादी का प्रतीक मान रहा है। आजादी के 70वर्षों में पहली बार यदि केन्द्र की किसी सरकार ने खेत, खिलहान, किसान को केन्द्र बिन्दु मान कर योजनाएं बनाई है, तो केवल नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने बनाई। दुर्भाग्य से देश के कुछ विपक्षी राजनेता और दल भी इस तथाकथित किसान आंदोलन के बहाने खोई राजनैतिक जमीन को तलाशने में लगे है और अराजकतावादियों के मनोबल को बढाने का काम कर रहे है। इस तथाकथित किसान आंदोलन की आड़ में भारत के खिलाफ देश के दुश्मनों 8द्वरा षडयंत्र रचे जा रहे है। जो भारी चिंता का विषय है।

सच्चा किसान कभी इस प्रकार के राष्ट्रद्रोह को स्वीकार नही कर सकता। राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन इन नकली किसान संगठनों एवं इनके नेताओं के खिलाफ लगातार रचनात्मक आंदोलन जारी रखेगी। प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन 8द्वरा राट्व्यापी पोस्टर अभियान का प्रारम्भ करने हेतु पोस्टर जारी किया गया।

पोस्टर में केन्द्र सरकार से 5 बिन्दुओं को लेकर मांग की गयी है कि 1-संसद 8द्वरा पारित तीनों कृषि सुधार कानूनों (बिलों) को यथावत रखा जाए। 2-गणतंत्र दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर पर लगे राष्ट्रध्वज तिरंगे को अपमानित करने वालों की सम्पत्ति जब्त की जाए एवं सरकारी सम्पत्ति नष्ट करने से हुए नुकसान की भरपायी उक्त अराजकतावादियों से की जाए। साथ ही पुलिस एवं सुरक्षाबलों पर हमला करने वालों से घायल सुरक्षाबलों का चिकित्सा खर्च वसूल किया जाए।

5-राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विभिन्न बॉर्डरो पर जबरन कब्जा जमाये बैठे तथाकथित किसान संगठनों एवं नेताओं से बॉर्डर खाली करवाकर आवागमन सुचारू किया जाए कल राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन के नेता रोहित जायसवाल एवं आचार्य पुष्पेन्द्र जी के नेतृत्व में प्रयागराज के माघ मेला में मछली बन्दर मठ में संतों का आशिर्वाद लेकर राष्ट्रीय अन्नदाता यूनियन एवं अखिल भारतीय संयुक्त धर्माचार्य मंच 8द्वरा कृषि बिल के समर्थन में जुलूस निकाल कर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री जी को भेजा जायेगा। प्रेसवार्ता में महामंत्री अवधेश प्रताप सिंह, वीरेन्द्र कुमार रावत, उपाध्यक्ष राज कुमार लोधी, बलीराम वर्मा, मोहम्मद खलील अहमद, अनिल जायसवाल, डा0 अनूप सिंह, मूलचन्द्र यादव, लवकुश यादव, अजीत सिंह यादव गाजीपुर, यशवंत यादव बाराबंकी, राम नरेश वर्मा सीतापुर, आलोक बाजपेयी हरदोई, विमल यादव उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के 51 सदस्यीय उड़न दस्ते का हुआ गठन

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, लखनऊ इकाई की कार्यकारिणी की बैठक फैजाबाद रोड स्थित एक बैंक्विट हॉल में संपन्न हुई। कार्यकारिणी बैठक में विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के कारण रिटेल सेक्टर के खत्म हो रहे व्यापार के मुद्दा, नगर निगम ,बिजली एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों से व्यापारियों को आ रही समस्याओं का मुद्दा बैठक में उठा। व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए 51 सदस्यीय उड़न दस्ते का गठन प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा किया गया तथा लखनऊ की सभी क्षेत्रीय इकाइयों की बजारो में संगठन के कार्यालय खोलने के निर्देश दिए। साथ ही साथ संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा धार देने के उद्देश्य से बाजारों में संगठन के पदाधिकारियों को प्रभारी के रूप में नियुक्त किया।

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए तथा सरकार को जगाने के लिए राजधानी में शीघ्र ही बड़ा आंदोलन शुरू करने की घोषणा की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने अप्रैल माह में राजधानी में व्यापारी महासम्मेलन करने की घोषणा की। संगठन के पदाधिकारियों ने बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता को फूलों की माला से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बैठक का संचालन संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सांवरिया, उपाध्यक्ष आसिफ किदवई, प्रदेश मंत्री आर के रावत, लखनऊ महामंत्री विजय कनौजिया, वरिष्ठ महामंत्री दीपक लंबा एवं उपाध्यक्ष मोहित कपूर ,मनीष जैन ,डॉ साकेत चतुर्वेदी युवा इकाई के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, महिला इकाई की अध्यक्षा श्रीमती अनिला अग्रवाल सहित सभी बाजारों के अध्यक्ष महामंत्री एवं पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

मुख्तार अंसारी ने फर्जीवाड़ा के आरोपों की एफआईआर को दी चुनौती

विधि संवाददाता

लखनऊ। बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी ने हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दायर कर शहर के डालीबाग स्थित निषक्रांत सम्पत्ति पर निर्माण करने में फर्जीवाड़ा करने के आरोपों की एफआईआर को चुनौती दी है। मुख्तार ने याचिका में प्राथमिकी के तहत आगे की कार्यवाही पर रोक लगाए जाने की गुजारिश की है। शुक्रवार को सुनवाई के समय सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह बहस करेंगें,जो शुक्रवार को उप्लब्ध नहीं हैं लिहाजा केस को मुल्तवी किये जाने का आग्रह किया गया। इसपर अदालत ने अगली सुनवाई 11फरवरी को नियत की है।

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश मुख्तार अंसारी की याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याची के वरिष्ठ अधिवक्ता एचजीएस परिहार के मुताबिक याचिका में राजधानी की हज़रतगंज कोतवाली में उनके खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी को रद्द करने का आग्रह करते हुए याची के खिलाफ प्राथमिकी के तहत आगे की कार्यवाही पर रोक लगाए जाने की गुजारिश की गई है। इसमें मुख्तार के खिलाफ शहर के डालीबाग इलाके में कथित निषक्रान्त सम्पत्ति पर घर का नक्शा एलडीए से मंजूर कराने में फर्जीवाड़ा करने आदि के आरोप हैं।

महिला सुरक्षा पर कमिश्नर ने लखनऊवासियों से मांगा सुझाव

सहुलियत

- कमिश्नर डीके ठाकुर की अपील मो नं0 9454400290 पर वाट्सअप मैसेज या मेल आईडी
- prouppoliceluckno w@gmail.com पर भेजें सुझाव

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने समस्त लखनऊ वासियों (खास तौर पर लडकियां और महिलाओं) से सुरक्षा को लेकर सुझाव मांगा है। जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और भी बेहतर बनाया जा सके। कमिश्नर ने अपील की है कि कोई भी लखनऊवासी मो नं0 9454400290 पर व्हॉट्सएप मैसेज या मेल आईडी prouppoliceluckno w@gmail .com पर अपने सुझाब भेज कर पुलिस की मदद कर सकते है।

कमिश्नर डीके ठाकुर ने बताया कि शासन की मंशा के अनरूप मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा और भी बेहतर बनाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस पिंक बूथ, पिक मोबाइल, कमिश्नरेट की सभी थानो पर महिला बूथ की स्थापना कर महिलाओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान कराते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, इसके तहत पुलिस ने शहर के भीड़-भाड वाले स्थान, बाजार, बस स्टाप, मेट्रो स्टेशन, विद्यालयों के आस-पास पुलिस गस्त, पेट्रोलिंग और चेकिंग लगातार की जा रही है। पुलिस आयुक्त द्वारा महिलाओं के बेहतर सुरक्षा के दौरान महिलाओं की और मजबूत व पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुझाव भी मांगे गये है, आपके अनुसार कौन से ऐसे असुरक्षित स्थान है जहाँ पर पुलिस पेट्रोलिंग को बढ़ाया जा सकता है।

पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर द्वारा कमिश्नरेट से सभी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की गयी है, बैठक में पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में महिला सुरक्षा के संबंध में गश्त बढ़ाने और चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। भीड़-भाड वालो स्थान, बाजार, बस स्टाप, मेट्रो स्टेशन, विद्यालयों के आस-पास के पास खड़े संदिग्धों से पूछताछ की जायेगी।

महिला की सुरक्षा और बेहतर करने हेतु हम सुझाव लेना चाहते है, लखनऊ वासियों से विशेष तौर से लखनऊ वासियो लडकियों/ महिलाओं से कि आपके अनुसार कौन से ऐसे असुरक्षित स्थान है या ऐसे स्थान, चौराहे या रोड़ जहाँ से आपको आने जाने में असुरक्षा का महसूस होती है, जहाँ पर हम पुलिस पेट्रोलिंग को बढ़ा कर आपको बेहतर सुरक्षा प्रदान कर सके। आप अपना सुझाव मो.नं. 9454400290 से व्हॉट्सएप मैसेज द्वारा या मेल आईडी prouppoliceluckno w@gmail .com पर भेज सकते है।

अब तो है बस एक ही सपना, नशा मुक्त हो भारत अपनाः सांसद कौशल किशोर

क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। नशे की वजह से बेटा खो चुके भाजपा सांसद कौशल किशोर ने मोहनलालगंज में यूपीएएल फैक्ट्री के मजदूरों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाते हुए खुलकर बात की। मजदूरों को नशे की बुरी लत से स्वयं और परिचितों को दूर रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने का संदेश देते हुए सांसद ने कहा शराब बन्दी से ही नशे पर पर रोक नहीं लगाई जा सकती। पंजाब और गुजरात में नशाबन्दी के बावजूद चोरी छिपे शराब महंगे दामों पर बिकने की शिकायत सामने आती रहती है। उन्होंने कहा समाज के सभी लोग नशा नहीं करने का संकल्प ले लेंगे तो शराब की दुकानें खुद-ब-खुद बन्द हो जाएंगी। जब ग्राहक ही नहीं होंगे तब दुकानों पर शराब खरीदने कौन जाएगा। सांसद ने कहा पूर्ण नशाबन्दी के लिए सामाजिक आन्दोलन खड़ा करने जरुरत है तभी समाज को नशे मुक्त बनाया जा सकेगा। उन्होने ने कहा नशे को बढ़ावा देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय साजिश की गई है जिसका परिणाम है कि आधुनिक युग में लगभग सत्तर फीसदी नौजवान नशे के लती होते जा रहे हैं। सांसद कौशल किशोर ने कहा ईश्वर ने मानव शरीर की बनावट भोजन पचाने के लिए बनाई है लेकिन नशा करके लोग इस शरीर से खिलवाड़ कर जान का जोखिम मोल ले रहे हैं। नशे को लेकर नौजवानों में प्रतिस्पर्धा विकसित होती जा रही है वास्तव में नशा कर रहे लोग नास्तिक हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए जागरुक परिवारों को गांव में जागरुकता फेरी निकालकर दूसरों को नशामुक्ति का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करने की जरुरत है। इससे पूर्व यूपीएएल फैक्ट्री के जीएम जीएन श्रीवास्तव ने कहा नशा मुक्ति का संकल्प लेकर मजदूर परिवार घर-गृहस्थी को तबाह होने से बचा सकते हैं।

उन्होंने सांसद की नशा मुक्ति मुहिम का स्वागत करते हुए कहा इस मुहिम को पूरा करने में योगदान देना ही असली देशसेवा है। यूपीएएल के बीबी पाण्डेय ने कहा मदिरापान करने वाले लोगों का मन्दिर जाना व्यर्थ है। ईश्वर की नेमत है मानव शरीर इसे नशे में डुबोने के बजाए नशा मुक्त होकर जीवन का आनन्द प्राप्त कीजिए। तहसीलदार निखिल शुक्ल ने कहा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी शुरु से ही नशे के विरोधी रहे। नशा मुक्ति का संकल्प लेकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। समाजसेवी अशोक तिवारी ने सांसद कौशल किशोर की नशा मुक्ति मुहिम की खुले मन से सराहना कर लोगों से बढ़-चढ़ कर मुहिम का हिस्सा बनने की अपील की। इस अवसर पर यूपीएएल सुरक्षा अधिकारी अखिलेश शुक्ल और समाजसेवी अनिल त्रिपाठी व अरुण द्विवेदी समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डबडबाई आंखों से छलका नशे के दिए जख्म का दर्द

फैक्ट्री मजदूरों को नशामुक्ति का संकल्प दिला रहे भाजपा सांसद कौशल किशोर ने नशे की लत लग जाने से अपने बेटे को खोने की दास्तां बतानी शुरु की तो संकल्प स्थल पर मौजूद हर किसी की आंखे नम हो गई। डबडबाई आंखो से छलक रहा बेटे को खोने का दर्द आंसू बनकर बह निकला। सांसद ने कहा मेरी तरह किसी और को अपना बेटा नहीं खोना पड़े इसके लिए वह नौजवानों को नशे की दुनिया से आजादी दिलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा सिर्फ नशा करने वालों को ही शपथ नही दिलानी है बल्कि जो लोग नशा नहीं करते उन्हें भी जागरुकता मुहिम को आगे बढ़ाते रहने की शपथ भी दिलानी है। शराब लेने वाले ही नहीं बचेंगे तो ठेके अपने आप बन्द जाएंगे। सांसद ने कहा जब से अभियान शुरु किया अब तक 260 लोग मुहिम से जुड़कर नशा छोड़ चुके हैं।

एक कड़वी चीज को मीठा नहीं बनाया जा सकता। किसी भी चीज का स्वाद बदला जा सकता है। लेकिन जहर को अमृत में नहीं बदला जा सकता है।
- डॉ. भीम राव अम्बेडकर

एक नजर

राम मंदिर निर्माण में निधि समर्पण के लिए पद यात्रा

लखनऊ(क्राइम रिव्यू)। श्री रामजन्मभूमि मंदिर निर्माण हेतु चल रहे निधि समर्पण अभियान के निमित्त रविवार को भाजपा कार्यकर्ता अनूप शुक्ला के संयोजन में पद यात्रा निकाली गई। सोमवार से प्रारंभ हो रहे निधि समर्पण अभियान के द्वितीय चरण की पूर्व संध्या पर जनजागरण हेतु कालोनी के सेक्टर 11 स्थित शनिदेव मंदिर से यात्रा का शुभारंभ किया गया और ई ब्लॉक मार्केट स्थित टड़िइन मन्दिर तक ले जाया गया। इसमें भारतीय जनता पार्टी सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विहिप, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सभा, नगर विकास सभा, भगवा रक्षा वाहिनी आदि विभिन्न सम वैचारिक संगठनों के सदस्य शामिल रहे। सभी लोगों ने राम मन्दिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद अतुल दीक्षित, राजेश राय, डॉ यूएन पांडेय, प्रशांत सेठ, राजीव गुप्ता, डॉ कुल भूषण सहित बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल हुए।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता संविदा कर्मचारियों के विकास बाजपेई बने प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ(क्राइम रिव्यू)। अखिल भारतीय संविदा कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव की ओर से विकास बाजपेई को राज्य पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। साथ ही संघ ने श्री बाजपेई से अखिल भारतीय संविदा कर्मचारी महासंघ की एकता को संविदा/ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों तक पहुंचाने तथा उनके उत्थान व उनकी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा की है। इस मौके पर श्री बाजपेई को संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री जी देखिए...चार साल में भी नहीं बन सकी सड़क

क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। आजादी के 73 वर्ष बाद भी मोहनलालगंज का गंगाखेड़ा गांव पक्की सड़क से नहीं जुड़ सका है। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व पीडब्ल्यूडी ने सड़क बनाने का कार्य भी शुरु कराया लेकिन फण्ड के अभाव में चार वर्ष बाद भी सड़क निर्माण कार्य अधूरा है। लिहाजा सैकड़ों की आबादी के लिए सड़क पर पड़े कंकड़-पत्थर से होकर आवागमन पहले से भी ज्यादा परेशानी की वजह बन गया है। शिकायत सीएम दफ्तर से लेकर सदन तक पहुंच चुकी है। लेकिन धनाभाव बताकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी साफगोई से पल्ला झाड़ ले रहे हैं।

मोहनलालगंज के गंगाखेड़ा गांव को पक्की सड़क से जोड़ने के लिए वर्ष 2017 में नगराम रोड से विश्रामखेड़ा गांव तक सड़क निर्माण शुरु कराया गया। व्यापार विकास निधि से हो रहे निर्माण के लिए पहली किश्त जारी होते ही पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने सड़क के बुनियादी कार्य पूरे करा दिए। लेकिन फिर धनाभाव बताकर अधिकारियों ने ऐसा मुंह मोड़ा कि चार वर्ष बीतने के बाद भी सड़क अधूरी है। सड़क पर पड़ी गिट्टियां और मलबे से उठने वाली धूल दिनभर ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी रहती है। आवागमन में बेहद समस्या को लेकर परेशान ग्रामीण सड़क निर्माण पूरा कराने के लिए तहसील समाधान दिवस से लेकर सीएम जनसुनवाई तक गुहार लगा चुके हैं। लेकिन समाधान के बजाए धनाभाव बताकर लोक निर्माण विभाग

के अधिकारी हाथ खड़े कर दे रहे हैं। ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक अम्ब्रीश पुष्कर मामले को विधानसभा सदन में भी उठा चुके हैं। लेकिन लोक निर्माण विभाग ने सदन में भी सड़क का निर्माण वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर बताकर जवाबदेही से किनारा कर लिया।

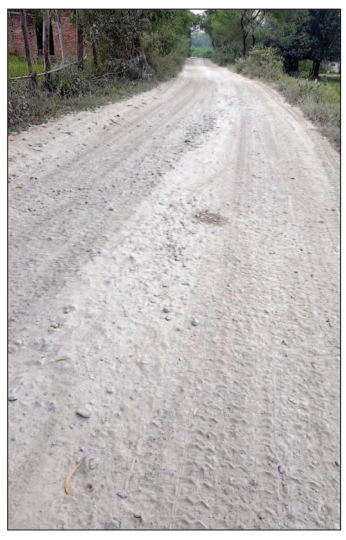

कटस्टोन पर सीसी बनाने की मांग भी अधूरी

मोहनलालगंज के दहियर गांव में प्राइमरी स्कूल से पंचायत भवन तक रोड में पीडब्ल्यूडी की ओर से दो दशक पहले बिछाया गया कटस्टोन जर्जर होकर क्षतिग्रस्त हो गया है। लिहाजा ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। शिकायत तहसील समाधान दिवस से लेकर लोक निर्माण मंत्रालय तक पहुंच चुकी है। लेकिन सीसी रोड बनाने का भरोसा दे रहे पीडब्ल्यूडी अधिकारी चार वर्ष बाद भी इसे अमलीजामा नहीं पहना सके हैं।

मुखिया बदलते ही दम तोड़ने लगा गोवंश आश्रय केन्द्रों को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान

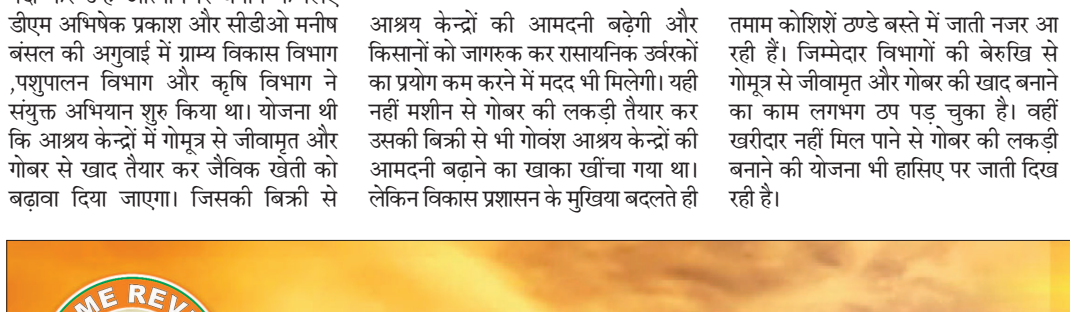

क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। विकास प्रशासन के मुखिया बदलते ही राजधानी में निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्रों को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान दम तोड़ने लगा है। गोमूत्र से जीवामृत और गोबर से खाद बनाने की मुहिम सुस्त पड़ चुकी है। गोकाष्ठ के खरीदार नहीं मिल पाने से आश्रय केन्द्रों में डम्प हजारों रुपए की गोबर की लकड़ी बिक्री का इंतजार कर रही है।

मोहनलालगंज समेत राजधानी के सभी ब्लाक में संचालित निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्रों में कुछ माह पहले आमदनी के अवसर पैदा कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए डीएम अभिषेक प्रकाश और सीडीओ मनीष बंसल की अगुवाई में ग्राम्य विकास विभाग ,पशुपालन विभाग और कृषि विभाग ने संयुक्त अभियान शुरु किया था। योजना थी कि आश्रय केन्द्रों में गोमूत्र से जीवामृत और गोबर से खाद तैयार कर जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। जिसकी बिक्री से आश्रय केन्द्रों की आमदनी बढ़ेगी और किसानों को जागरुक कर रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करने में मदद भी मिलेगी। यही नहीं मशीन से गोबर की लकड़ी तैयार कर उसकी बिक्री से भी गोवंश आश्रय केन्द्रों की आमदनी बढ़ाने का खाका खींचा गया था। लेकिन विकास प्रशासन के मुखिया बदलते ही तमाम कोशिशें ठण्डे बस्ते में जाती नजर आ रही हैं। जिम्मेदार विभागों की बेरुखि से गोमूत्र से जीवामृत और गोबर की खाद बनाने का काम लगभग ठप पड़ चुका है। वहीं खरीदार नहीं मिल पाने से गोबर की लकड़ी बनाने की योजना भी हासिए पर जाती दिख रही है।

तीस कुन्तल गोकाष्ठ डम्प नहीं मिल रहे खरीदार

मोहनलालगंज के निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्र जबरौली में मशीन से बनाई गई तकरीबन तीस कुन्तल गोबर की लकड़ी डम्प है। खरीदार नहीं मिल पाने से पंचायत के लिए गोकाष्ठ तैयार करने में आ रही लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।

अफसरों को फुरसत नहीं ठिठुर रहे गोवंश

निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्रों के बेहतर संचालन और उनकी आमदनी बढ़ाने की मुहिम सुस्त पड़ने के पीछे तहसील प्रशासन की बेरुखि भी जिम्मेदार मानी जा रही है। दरअसल गोवंश आश्रय केन्द्रों का बेहतर संचालन करने के लिए शासन ने ब्लाक के साथ-साथ तहसील स्तर पर भी एसडीएम की अध्यक्षता में समिति गठित करा रखी है। लेकिन तहसील अफसरों की बेरुखि से गोवंश आश्रय केन्द्रों के संचालन की जिम्मेदारी ब्लाक अधिकारियों तक ही सिमट कर रह गई है। हालात यह हैं कि कड़ाके की ठण्ड से बचाव के उपाय नहीं किए जाने से अधिकतर आश्रय केन्द्रों में गोवंश ठिठुरकर बीमार पड़ रहे हैं।

ग्रामीण इलाके के गौशालाओं में गौवंशो का बुरा हाल

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। प्रधानों का 25 दिसम्बर से कार्यकाल समाप्त होने के बाद गौशालाओं का बुरा हाल है। अधिकारी गौशालाओं मे मौजूद गौवंशों को चारे की व्यवस्था ठीक ढंग से नही हो पा रही हैं, और न ही ठण्ड से बचने का समुचित इन्तिजाम नही है। डाक्टरों की लापरवाही से ठण्ड व इलाज के अभाव मे गौवंशों के मरने का सिलसिला बदस्तूरजारी है।

प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने गौवंशों को संरक्षित करने के लिये विकास खण्ड मे ग्राम पंचायतों मे लाखों रूपयों की लागत से पशु आश्रय केन्द्रों का निर्माण करवाया गया । जिनमें क्षेत्र मे घूम रहे गौवंशों को पकड़ कर रखने के साथ चारे के लिये सरकार ने 30 रूपये निर्धारित कियाहै।- ,दिसम्बर जनवरी माह मे ठण्ड को देखते हुये उच्चअधिकारियों ने ब्लाकस्तरीय अधिकारियों को गौवंशों को ठण्ड से बचाने के लिये बोरों से बने स्वेटर व केन्द्रों पर अलाव जलाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये थे।

25 जनवरी को ग्राम पंचायत कसमण्डीखुर्द मे बने पशु आश्रय केन्द्र मे एक गौवंश की मौत हो गयी थी। फोटो व वीडियो वायरल होने के बाद पशु चिकित्साधिकारी आरबी राम ने उसका पोस्टमार्टम कर दफनवाया था। बुधवार को ग्राम पंचायत महदोईया मे बनें पशु आश्रय केन्द्र मे ठण्ड से दो गौवंशों की मौत हो गयी। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खड़ौहां मे बने पशु आश्रय केन्द्र मे एक व ग्राम पंचायत केथुलिया मे बनें पशु आश्रय केन्द्र

हालात

गौवंशों के लिए चारे की व्यवस्था ठीक ढंग से नहीं हो पा रही, न ही ठंड से बचने का समुचित इंतजाम है

के एक गौवंश की मौत हो गयी। मृत गौवंशों को पशुचिकित्साधिकारी ने पोस्टमार्टम कर दफनवा दिया है। शनिवर को एक बार फिर पशु आश्रय केन्द्र महदोईया मे 2 गौवंशों की मौत हो गयी। जबकि एक गौवंश मृत पड़े गौवंशों के पास ही मरणाशन्न मे पड़ा मिला। जिसे डाक्टरों व खण्ड़स्तरीय अधिकारियों की लापरवाही से खुले मे डाल दिया गया। लगातार हो रही गौवंशों की मौत को देखते हुये अधिकारियों ने ग्राम पंचायत महदोईया के पशु आश्रय केन्द्र मे मौजूद गौवंशों को दूसरी नजदीकी ग्राम पंचायतों मे बने पशु आश्रय केन्द्रों मे शिफ्ट कर दिया है।

पशु चिकित्साधिकारी आरबी राम का कहना है कि ग्राम पंचायत महदोईया मे गौवंशों के लिये समुचित व्यवस्थाएं नही हो पा रही थीं। जिससे उसे वहां से दूसरी ग्राम पंचायत मे शिफ्ट किया गया है। मृत गौवंशों का पोस्टमार्टम कर डिस्पोज किया जा रहा है।

क्राइम रिव्यू राष्ट्रीय हिंदी सप्ताहिक अखबार जो 7,14 ,21, 28 , तारीख को लखनऊ से प्रकाशित होता है
उसमें अपने आसपास के खबरों को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
Whatsapp No:- 9455555222, Voice Call:- 9454552222,
E-mail: crimereview2012@gmail.com
नोट :- जो व्यक्ति अपना नाम उजागर नहीं करना चाहता है उसे किसी सूरत में उजागर नहीं किया जाएगा।
Follow Us : - www.facebook.com/hemant4u4life @hemant4u4life
POSTAL ADDRESS: 655A/4/331, Gayatripuram, NEAR Behind Abhinav Girls Inter College, POST-Vikas Nagar, Lucknow-226022

साप्ताहिक राशिफल

यह सप्ताह आपके लिए कैसा रहेगा। आपके जीवन मे क्या क्या परिवर्तन हो सकता है। आपके सितारे क्या कहते हैं। यह बता रहे हैं जयपुर से **एस्ट्रोलॉजर विवेक जी।**
मोबाइल नंबर 07989539636

मेष

मेष राशि वालों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला फल देगा । जीवन साथी से कुछ अनबन हो सकती है। नौकरी पेशा वालों को कुछ अच्छे समाचार मिल सकते हैं । व्यापारी वर्ग के लोगों के लिए भी यह समय उपयुक्त है। भूमि व वाहन में भी निवेश करने की संभावना है । विद्यार्थियों के लिए कुछ परिश्रम बढ़ सकता है ।मेष राशि वाले पूरे सप्ताह ऊर्जावान रहेंगे ।

शुभ रंग -हल्का पीला
शुभ अंक -9

वृष

वृषभ राशि वालों को इस सप्ताह स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है । छोटी छोटी यात्राओं से लाभ मिलने की संभावना है । वैवाहिक जीवन में नोकझोंक हो सकती हैं। नौकरी पेशा वालों के लिए समय थोड़ा कठिनाइयों वाला हो सकता है। व्यापारिक वर्ग के लोगों के लिए यह समय अच्छा है ।भूमि में निवेश करने से बचें। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा है । प्रेमी और प्रेमिकाओं के लिए यह समय अच्छा है

शुभ रंग -हरा
शुभ अंक -6

मिथुन

मिथुन राशि वालों के लिए यह सप्ताह में कुछ धन आगमन होने की संभावना है । नौकरी वर्ग के लोगों के लिए अच्छा समय है। व्यापारिक वर्ग के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है । प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी समय अच्छा है वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा मानसिक परेशानी बनी रह सकती है।

शुभ रंग- सफेद
शुभ अंक- 7

कर्क

कर्क राशि वालों के लिए यह सप्ताह अच्छा रहने वाला है। नौकरी वर्ग में लाभ होने की संभावना है। व्यापारिक वर्ग के लिए भी यह समय अच्छा होने की संभावना है। अचानक धन लाभ हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। वैवाहिक जीवन में कुछ तनाव हो सकता है एक दूसरे की बातों का सम्मान करें। छोटी छोटी और बड़ी बड़ी दोनों प्रकार की यात्राएं हो सकती हैं। गुप्त दान करें।

शुभ रंग - लाल
शुभ अंक - 4

सिंह

इस सप्ताह सिंह राशि वालों को हल्का सर्दी जुकाम होने की संभावना है । छोटी- छोटी यात्राएं भी हो सकती हैं ।भूमि में निवेश करने का अच्छा समय है। प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। सिंह राशि वालों को इस सप्ताह अचानक धन लाभ भी हो सकता है। अध्यात्म की तरफ रुचि होने की संभावना है।

शुभ रंग -क्रीम
शुभ अंक -1

कन्या

कन्या राशि वालों को इस सप्ताह घर पर समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। धन आगमन की संभावना है । छोटी -छोटी यात्राओं से लाभ मिलेगा । प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। प्रेमी और प्रेमिकाओं के लिए भी अच्छा समय है। नौकरी करने वालों को थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है। व्यापारी वर्ग से जुड़े लोगों को भी सचेत रहने की आवश्यकता है। कन्या राशि वालों के भूमि संबंधी कुछ निर्णय भी इस सप्ताह हो सकते हैं।

शुभ रंग पीला
शुभ अंक -2

तुला

तुला राशि वालों के लिए इस सप्ताह व्यापार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय हो सकते हैं। भूमि से जुड़े कुछ विवाद भी हो सकते हैं और भूमि पर निवेश होने की भी संभावना है । मानसिक उथल-पुथल रह सकती है । धन आगमन भी हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। वैवाहिक जीवन भी अच्छा रहेगा ।घर में रहकर कार्य भी करने की संभावना है ।

शुभ रंग -ग्रे
शुभ अंक -4

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वालों के लिए यह समय कुछ यात्राओं से भरा होने की संभावना है । धार्मिक कार्यों पर धन खर्च कर सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें । प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद भी हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मनमुटाव हो सकता है एक दूसरे का ध्यान रखें । इस सप्ताह धन आगमन भी हो सकता है। विद्यार्थी के लिए यह समय परिश्रम भरा हुआ होने की संभावना है। उच्च शिक्षा हेतु घर से दूर भी जा सकते हैं।

शुभ रंग -केसरिया
शुभ अंक - 8

धनु

धनु राशि वालों के लिए इस सप्ताह कुछ नए अपरिचित लोगों से मिलने की संभावना है ।नौकरी वर्ग के लिए अच्छा समय है। व्यापारिक वर्ग के लिए अच्छा समय है। वैवाहिक जीवन में कुछ नोकझोंक हो सकती है। मन अशांत हो सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े लाभ हो सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें ।

शुभ रंग- नीला
शुभ अंक - 5

मकर

मकर राशि वालों के लिए इस सप्ताह नौकरी में कुछ बदलाव हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा समय है। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है ।प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए अच्छा समय है। अचानक धन लाभ हो सकता है। वैवाहिक जीवन में कुछ मनमुटाव हो सकता है। प्रॉपर्टी से लाभ होने की संभावना है। घर में रहकर काम कर सकते हैं।

शुभ रंग -गुलाबी
शुभ अंक-2

कुम्भ

कुंभ राशि वालों का इस सप्ताह छुट्टियां मनाने कहीं दूर या विदेश जाने का विचार बन सकता है। विद्यार्थियों का भी विद्या अर्जन के लिए घर से दूर जाने की संभावना है। इंपोर्ट एक्सपोर्ट वाले व्यापारियों को भी इस सप्ताह लाभ होने की संभावना है। नौकरी वर्ग के लिए भी अच्छा समय रहने की संभावना है।

शुभ रंग - रेशमी सफेद
शुभ अंक - 8

मीन

मीन राशि वालों के लिए इस सप्ताह धन आगमन की अच्छी संभावनाएं हैं। थोड़ी मानसिक उथल-पुथल रह सकती है। भूमि में निवेश की संभावना है। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। विद्यार्थियों का परिश्रम अधिक रहने की संभावना है। प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए अच्छा समय नहीं है। नौकरी वर्ग के लोगों को भी सचेत रहने की आवश्यकता है। व्यापारी वर्ग के लिए समय अच्छा है।

शुभ रंग -हरा
शुभ अंक- 8

अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित्त निष्ठावान होना पड़ेगा।
– अब्दुल कलाम आजाद

समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभा रही हैं रीता

शख्सियत

❑❑❑ विवेक पाण्डेय

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। माता-पिता अपने बचपन से ही जिस तरह के संस्कार अपने बच्चों को देते है वह उम्र के हर मोड पर काम आते है. जीवन हमेशा एक सा नहीं रहता। सामाजिक बंधन जिंदगी में उतार चढाव का बहुत बडा कारण होते है। कुछ लोगों के लिये उतार चढाव भरी जिंदगी में अवसरों की तलाश कर समाज के लिये कुछ काम करना ही जिदंगी का उद्देश्य हो जाता है। पर्यावरण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण को समर्पित संस्था 'सरल केयर फांउडेशन' की अध्यक्ष रीता सिंह की जिदंगी भी कुछ इस तरह की आगे बढी। उनके कामों की सराहना समाज ने भी की 50 से अधिक संस्थाओं के द्वारा उनको सम्मान भी दिया गया।

सुल्तानपुर जिले के भूपतिपुर गांव में जन्म लेने वाली रीता सिंह के पिता श्रीराम शिरोमणि सिंह अंग्रेजी के शिक्षक थे। उनकी मां उमा सिंह सामान्य गृहणी थी। उनके 4 बहने और 2 भाई है। गांव और राजपूत परिवार का असर था जिसकी वजह से कक्षा 12 वीं की पढाई के बाद ही उनकी शादी हो गई। जिस वजह से उनकी आगे की पढाई नहीं हो सकी। रीता ने जब अपने बच्चों को पढाया और समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार शुरू किया तब अपनी भी पढाई फिर से शुरू की।

पिता के संस्कार, पति का सहयोग

रीता सिंह पर अपने पिता की छाप थी। वह शिक्षक होने के साथ ही साथ पेड लगाने का बेहद शौक रखते थे। रीता की शादी लखनऊ जिले के नंदौली गांव में सामान्य किसान परिवार में हुई, सुसराल में महिलाओं के लिये पढाई का कोई विशेष अवसर नहीं था। ससुराल आने पर घर परिवार की जिम्मेदारियों के बीच जीवन आगे बढता गया। उनके 2 बडे बेटे और एक छोटी बेटी हुई। पति शैलेन्द्र सिंह पत्रकारिता में ही जीवन यापन कर रहे थे। ऐसे में कुछ साल के बाद वह लखनऊ शहर में आकर रहने लगी।

उम्र के इस दौर में शुरू की पढ़ाई

अपने बच्चों की पढाई पूरी करने और उनकी नौकरी लगने के बाद 2017 में रीता सिंह ने अपनी अधूरी पढाई को पूरा करने की शुरुआत की। अवध विश्वविद्यालय से बीए की पढाई शुरू की। 2020 में बीए पूरी करने के बाद अब विधि स्नातक एलएलबी की पढाई कर रही है। रीता कहती है 'मेरे लिये शादी के बाद सबसे जरूरी था कि बच्चों को सही दिशा दे।सरकारी स्कूल में पढाई, कंपटीशन निकालना बच्चों के लिये सरल नहीं था। बडे बेटे ने एमएनआईटी से और छोटे बेटे ने आईआईटी दिल्ली से अपनी पढाई पूरी की। तब लगा कि अब हम अपने बारे में भी सोंच सकते है। साथ ही साथ समाज के लिये भी काम करना है। अभी बीए की पढाई पूरी की है। अब एलएलबी में प्रवेश लिया है।

आर्थिक रूप से परिवार नहीं था बहुत सक्षम

रीता ने अपने बच्चो को शहर के ही सरकारी स्कूल में पढाना शुरू किया। बच्चों ने मेहनत से पढाई की। बडे बेटे ने सिविल इंजीनियरिंग और छोटे बेटे से प्लास्टिक इंजीनियरिंग से अपनी पढाई पूरी की। जबकि बेटी विजुअल आर्ट में अपनी पढाई पूरी कर रही है। रीता सिंह कहती है 'पिता जिस तरह से पेडपौधों को लगाने और बच्चों को पढाने का काम करते थे, वह पिता से संस्कार के रूप में मुझे मिला। मैं खुद शिक्षक तो नहीं बन पाई, पर शादी के बाद पति का सहयोग मिला तो अपनी संस्था के जरीये समाज में शिक्षा और पर्यावरण बचाने के लिये काम करना शुरू किया।

बच्चों को पढ़ाने के साथ सामाजिक कार्य भी

रीता के मन में यह था कि भले ही अपनी पढाई अधूरी छूट गई हो पर अपने बच्चों के साथ ही साथ समाज के लोगों को भी जीवन में पढाई और आत्मनिर्भर बनने में मदद जरूर करेगी। समाज के लिये काम करने का मन बनाया तो 'सरल केयर फाउडेषन' नाम से 2016 में संस्था बनाई। संस्था बिना किसी सरकारी मदद के अपना काम करती है। इसके जरिये स्कूलों में पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के मुददों को लेकर डिबेट, पेंटिग कंपटीशन, वृक्षारोपण, सेमिनार का आयोजन शुरू किया गया।स्कूल के मेघावी बच्चों के प्रोत्साहन हेतु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव के सरकारी स्कूलों में लडकियो को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने के लिये सैनेटरी पैड्स का वितरण किया गया। संस्था हर साल पर्यावरण कैलेंडर का प्रकाशन भी करती है। जिसमें छुट्टियों की जगह पर उस माह के पर्यावरण के दिन लिखे होते है। पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से जुडे विभिन्न दिवसों पर सेमिनार और सम्मान समारोह का आयोजन करके जागरूकता अभियान चलाया जाता है।

अवध महोत्सव में शिप्रा व मानसी के अवधी गीतों व नृत्य ने बांधा समां

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में सेक्टर जे, रेल नगर विस्तार कालोनी, कथा मैदान आशियाना में चल रहे अवध महोत्सव-2021 की द्वितीय सांस्कृतिक संध्या अवधी नाइट में शिप्रा व मानसी के अवधी गीतों व नृत्य ने समां बांधा।

इस अवसर पर प्रगति पर्यावरण संरक्षण के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने मुख्य अतिथि रवि शंकर गुप्ता आई ए एस विशेष सचिव दुग्ध को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और समृति चिन्ह भेंटकर अवध गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

संगीत से सजे कार्यक्रम का आरम्भ शिप्रा चन्द्रा ने अपनी मखमली आवाज में देवीगीत मईया खेली ना किवड़िया से कर श्रोताओं को भगवती देवीदुर्गा की भक्ति का रसापान कराया। भक्ति भावना से ओतप्रोत इस प्रस्तुति के उपरान्त शिप्रा ने अपनी सुमधुर आवाज में चैती गीत अवध मा राम जी, सोहर कौशल्या के जन्में ललनवा, विवाह गीत झुके जइयो तनिक रघुवीर और नकटा मानब ना एको कहवता बलम को सुनाकर श्रोताओं का मन मोहा। इसी क्रम में गारी जादू बा और होरह होरी खेले रघुबीरा अवध मा को सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। शिप्रा के गाये अवधी गीतों पर कुमकुम, काजल, मेधा, स्वाति, हिमानी, ईशा, भूषण अग्रवाल, सौरभ व कमल ने भावपूर्ण अभिनय युक्त नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की असंख्य तालियां अर्जित कीं। शिप्रा के कार्यक्रम के मेरूदण्ड रहे शैंकी ढोलक पर, सोनू बैजों पर, अभिषेक गिटार पर, सह गायन पर दीपाली निगम, विभा शुक्ला व प्रियंका दीक्षित।

संगीत से सजे कार्यक्रम के अगले सोपान में मानसी रघुवंशी ने अपनी पुरकशिश आवाज में अवधी लोकगीत आज मिथिला नगरिया निहाल सखियां, रामजी से पूछे जनकपुर की नारी को सुनाकर श्रोताओं को भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या का भ्रमण कराया। मन को मोह लेने वाली इस प्रस्तुति के उपरान्त मानसी ने अपनी सुमधुर आवाज में सइयां मिले लरकैंया में और कोयल बिन बगिया न शोभे राजा अवधी गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मानसी के कार्यक्रम के मेरूदण्ड रहे तबले पर नीरज मिश्रा, हारमोनियम पर नितीश सिंह और सहगायन पर रिया सिंह।

अवध की सोंधी खुशबु से परिपूर्ण इस

दूसरे दिन महोत्सव में रही काफी भीड़

अवध महोत्सव धीरे-धीरे अब अपने शबाब पर पहुंचने लगा है। महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को मेले में काफी भीड़ रही। लोगों ने खरीदारी के साथ ही विभिन्न झूलों का भरपूर आनंद उठाया। बच्चों ने ड्रेगन ट्रेन का मजा लिया। वही महोत्सव ने जलेबी, छोला, डोसा आदि का भी स्वाद चखा। मौसम में ठंडक होने के बाद भी दोपहर से ही महोत्सव में भीड़ उमड़ने लगी। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी परिवार के साथ पहुंच गए। इससे धीरे-धीरे चहल-पहल बढ़ने लगी। शाम होते ही महोत्सव भीड़ से गुलजार हो गया। महोत्सव में श्रृंगार व ऊनी कपड़ों के सामान की दुकानों पर महिलाओं की काफी भीड़ रही।

प्रस्तुति के उपरान्त ऋषिराज पाण्डेय ने भजनों की सरिता प्रवाहित की। ऋषिराज ने अपनी खनकती हुई आवाज में कृपा की न होती जो आदत तुम्हारी और मोहन को चन्दा दिखाय रही मां भजन को सुनाकर श्रोताओं को भक्ति के सागर में आकण्ठ डुबोया।

शताब्दी वर्ष पर बच्चों ने ताजा की चौरी-चौरा घटना की यादें

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। शहीदों की स्मृति में लघु नाटक प्रस्तुत कर स्कूली बच्चों ने उपस्थित लोगों के जेहन में चौरी-चौरा घटना की यादें ताजा कर दीं। मोहनलालगंज ब्लाक मुख्यालय पर गुरुवार को चौरी-चौरा काण्ड शताब्दी वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद हर एक शख्स ने बच्चों की अदाकारी की मुक्त कण्ठ से सराहना की। इससे पूर्व ब्लाक प्रमुख विजयलक्ष्मी और पीडी डीआरडीए राजेश त्रिपाठी की अगुवाई में एसडीएम विकास सिंह व बीडीओ अजीत कुमार सिंह ने ब्लाक परिसर के शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वन्देमातरम गायन में प्रतिभाग किया। इस मौके पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए निगोहां के वीर सपूत अमरेन्द्र बहादुर सिंह के पिता जंगबहादुर सिंह और सिसेण्डी निवासी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी शिवगोविन्द अवस्थी को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बरवलिया निवासी बाबादीन की पत्नी रामदुलारी ,कुशमौरा निवासी जितेन्द्रनाथ तिवारी के बेटे राजेन्द्रनाथ तिवारी और जबरौली निवासी भगवानदीन के परिवारीजन को भी अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बीडीओ अजीत कुमार सिंह और जेई अरविन्द चौरसिया समेत अन्य अधिकारियों ने अपने सम्बोधन में शहीदों की वीरगाथाएं सुनाकर उनकी स्मृतियां ताजा कीं।

वहीं निगोहां में कारगिल शहीद अमरेन्द्र बहादुर सिंह की समाधि पर पुलिस और एसएसबी के जवानों ने पुलिस बैण्ड के साथ पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान शहीद के परिवारीजन और ग्रामीण भी श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित रहे।

पिता की तरह सेना में जाना चाहती है बेटी

निगोहां के वीर सपूत अमरेन्द्र बहादुर सिंह जब कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हुए उनकी छोटी बेटी प्रिया सिंह महज एक माह की थी। दो वर्ष बाद ही मां सोनिया सिंह का भी निधन हो गया। लिहाजा बहादुर पिता की दोनों बेटियों अनुपम सिंह और प्रिया सिंह की परवरिश उनके दादा जंगबहादुर सिंह ने की। इण्टरमीडिएट में अच्छे अंक लाकर परिवार का नाम रोशन कर चुकी प्रिया सिंह भी पिता की तरह ही भारतीय सेना में जाकर मातृभूमि की सेवा करना चाहती हैं।

सम्मान पाकर भावुक हो उठे शहीद के पिता

चौरी-चौरी काण्ड शताब्दी वर्ष के मौके पर गुरुवार को मोहनलालगंज ब्लाक मुख्यालय पर प्रशासन की ओर से सम्मान पाकर कारगिल शहीद अमरेन्द्र बहादुर सिंह के पिता जंगबहादुर सिंह भावुक हो उठे। मातृभूमि की रक्षा के लिए बेटे की शहादत पर गर्व महसूस कर रहे पिता ने बताया 22 मार्च 2002 को कारगिल युद्ध के दौरान दुश्मनों से लोहा लेते हुए उनका बेटा अमरेन्द्र शहीद हो गया था।

पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने एसीपी प्राची सिंह को अशोक स्तंभ लगाकर दी शुभकामनाएं

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। आईपीएस अधिकारी प्राची सिंह को पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर द्वारा सहायक पुलिस आयुक्त पद से अपर पुलिस उपायुक्त पद पर प्रोन्नति होने पर अशोक स्तम्भ लगा कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मालूम हो कि एसीपी महानगर रहते हुए अपने काम के प्रति बेहद सक्रिय रहते हुए आईपीएस अधिकारी प्राची सिंह ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। अब उनको उत्तरी जोन का एडीसीपी बनाया गया है।

6 अफसरों का ट्रांसफर

राजेश कुमार श्रीवास्तव एडीसीपी पश्चिमी बने, गोपाल कृष्ण चौधरी एडीसीपी अपराध बने, पूर्णेंदु सिंह अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी बने, सुरेश चंद्र रावत एडीसीपी ट्रैफिक बनाए गए, पंकज श्रीवास्तव को पुलिसलाइंस का भी प्रभार, राजकुमार को एसीपी महानगर का भी चार्ज

हुई दुर्घटना सड़कों पर तो बरपा क्यों है हंगामा।।

कोई अनदेखा करता है, कोई बचकर निकलता है।
पकड़ लो जो तिराहे पर बहाने लाख करता है।
करो लाखों बहाने अपनी नादानी का तुम प्यारे।
जो ट्रैफिक के नियम टूटे तो अब जुर्माना लगता है।।
सिग्नल तोड़ देना जुर्म की पहली निशानी है।
बिना हेलमेट के खतरे में दोनों जिन्दगानी है।
हवा से बात करना शौक बेहद कातिलाना है।
हुई टक्कर तो सड़क पर बिखर जाती जवानी है।।
चलाना था अगर गाड़ी तो मय खाने में क्यों झूले।
बैठकर सीट पर प्यारे लगाना बेल्ट क्यों भूले।
खड़े हो लाल बत्ती पर तो इन्जन क्यों चलाते हो।
जहर भर कर हवा में, सांस लेना भी है क्यों भूले।।
पुलिस ने रोककर टोका तो बरपा क्यों है हंगामा।
मिला चालान का मैसेज तो बरपा क्यों है हंगामा।
नियम कानून बनते हैं, तुम्हारे ही लिए सुन लो।
हुई दुर्घटना सड़कों पर तो बरपा क्यों है हंगामा।।
यहाँ रिकार्ड होती है सड़क की हरकतें सारी।
नियम को तोड़ कर चलना पड़ेगा अब बहुत भारी।
हुई न देर अब भी है बताता हूँ जरा सुन लो।
नियम पालन जरूरी है, जरूरी है समझदारी।।

लखनऊ की यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए हमेशा पूर्णेन्दु सिंह याद आएंगे

अपर पुलिस उपायुक्त यातायात पूर्णेन्दु सिंह ने कविता के माध्यम से जागरूक करने का किया सार्थक प्रयास, जो 100 प्रतिशत सफल रहा।

पैदल मार्च कर दी शहीदों को श्रद्धांजलि

मलिहाबाद। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हिरदेश कुमार के निर्देशन पर चौरी चौरा कांड की स्मृति में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए देशभक्ति गीतों की धुन बजाकर एक पैदल मार्च निकाला गया। जिसमें एसडीएम अजय राय सीओ योगेंद्र सिंह इंस्पेक्टर मलिहाबाद मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हरदेश कुमार के निर्देशन पर उप जिलाधिकारी अजय कुमार राय क्षेत्राधिकारी योगेंद्र सिंह थाना प्रभारी चिरंजीव मोहन की मौजूदगी में 32 वाहिनी के बैंड बाजा द्वारा चौरी चौरा कांड की स्मृति में शहीदों को श्रद्धांजलि देने व युवाओं में देशभक्ति के लिए जागरूकता लाने के लिए देशभक्ति गीतों की धुन बजाकर चौकी मलिहाबाद से कोतवाली मलिहाबाद तक पैदल मार्ग निकाला गया। जिसमे 32 वाहिनी बैंड बाजा की अगुवाई पुलिस लाइन के सलाउद्दीन ने की ।

युवा ही देश के भविष्य

एसडीएम अजय राय ने 32 वाहिनी के बैंड बाजा वालों की तारीफ करते हुए कहा कि इनके फनकार से निकलने वाली धुन से देशभक्ति का एक अलग रंग नजर आता है । इस तरह की परेड से युवाओं के अंदर एक नई ऊर्जा उत्पन्न होगी जिससे आने वाली युवा पीढ़ी अपने भारत देश का हर क्षेत्र में नाम रोशन करेगी।

बाल निकुंज में गूंजा वंदे मातरम

❑❑❑ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बाल निकुंज की समस्त शाखाओं में चौरी-चौरा काण्ड शताब्दी समारोह पर प्रभात फेरियां निकाली गयीं। इस रैली में कालेज के हजारों छात्र एवं छात्राओं ने तिरंगा लेकर 'वन्देमातरम' का गायन करते हुए भारत माता के जय घोष के साथ शामिल हुए। पलटन शाखा से प्रधानाचार्या श्रीमती रश्मि शुक्ला ने तथा भवानी प्राइवेट आई.टी.आई. से प्रधानाचार्य आशीष श्रीवास्तव भी रैली में शामिल हुए। बेलीगारद शाखा से कोआर्डिनेटर सुधीर मिश्रा एवं प्रधानाचार्या अनूप कुमारी शुक्ला के नेतृत्व में रैली बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी से आरम्भ होकर सेक्टर-पी0 चौराहे से होते हुए केन्द्रीय विद्यालय के सामने से पोस्ट आफिस ग्राउण्ड होते हुए सेक्टर-एन01, सेक्टर-एन 2, सेक्टर-सी और सेक्टर डी चौराहे से होते हुए राम-राम बैंक चौराहे से होते हुए वापस विद्यालय पर 11:00 बजे सम्पन्न हुयी।

बाल निकुंज इण्टर कालेज, मोहिबुल्लापुर, लखनऊ में प्रबंध निदेशक एच.एन. जायसवाल ने प्रभातफेरी का नेतृत्व किया। बच्चों ने पूरे जोश में वन्दे, मातरम् का गायन कर सभी चौरी-चौरा काण्ड की याद दिलायी तथा आजादी के रणबांकुरों को स्मरण किया।

सम्पादक–हेमन्त कुमार मिश्रा

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक हेमन्त कुमार मिश्रा द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड ठाकुरगंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजें अन्यथा समाचार सत्य माना जाएगा: संपादक। **e-mail: crimereview2012@gmail.com, Mobile: 9454552222**